राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार, 04 अक्टूबर 2022 वर्ष–5,अंक–248 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कनाडा में सालों से निशाने पर भारतीय, हिंसा में 'खालिस्तान' एंगल शामिल

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से कनाडा में रहने वाले भारतीय नागरिकों और छात्रों को सतर्क रहने की सलाह दी थी। इस बात को करीब 10 दिन ही हुए हैं और ब्रैम्पटन में एक हिंदू ग्रंथ के नाम पर बने पार्क को निशाना बनाया गया। भारत की तरफ से इस घटना को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया भी दी गई, लेकिन हिंसा का दौर यहां खत्म नहीं होता। अगर बीते कुछ महीनों या सालों पर गौर करें, तो कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियों, हेट क्राइम यानी नफरत के चलते अपराध जैसी कई चीजों का सामना भारतीय नागरिकों या देश से जुड़ी चीजों को करना पड़ा है। ब्रैम्पटन स्थिति एक नए बाग श्री भगवद गीता पार्क में तोड़फोड़ की गई। इस घटना की पुष्टि स्थानीय मेयर पैट्रिक ब्राउन ने ट्विटर के जरिए की है। कनाडा में भारतीय उच्चायोग की तरफ से भी इस घटना को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी गई है। ब्राउन ने साफ कर दिया है कि ऐसी चीजों पर कनाडा की अथॉरिटी जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाती हैं। हालांकि, पिछली घटनाओं को देखें, तो यह दावा खोखला नजर आता है।

इस साल हुई कुछ घटनाओं पर नजर डालते हैं

उस दौरान महज 2-3 महीनों के अंतराल में ही ग्रेटर टोरंटो इलाके के 6 हिंदू मंदिरों में चोरी की खबरें सामने आईं। इनके चलते स्थानीय हिंदू समुदाय काफी चिंतित हो गया था। अधिकांश मामलों में दानपेटी से नगदी, कुछ जेवर चुराए गए थे। खबरें हैं कि इनकी शुरुआत नवंबर 2021 में हिंदू सभा मंदिर और श्री जगन्नाथ मंदिर में चोरी से हुई थीं। खास बात है कि ये दोनों मंदिर भी ब्रैंम्पटन में ही हैं।

पंजाब के कपूरथला की 25 वर्षीय हरमनदीप कौर की हत्या कर दी गई थी। कौर के सिर पर कथित तौर पर कनाडाई नागरिक ने रॉड से हमला किया था, जिसके चलते उनकी मौत हो गई थी। भारतीय नागरिक ने कनाडा में ही सिक्षा हासिल की थी।

मां के पंडाल में 3 बच्चे समेत 5 जिंदा जले

यूपी में भगवान शंकर- मां काली की लीला देखने उमड़ी भीड़, शार्ट सर्किट हो गया

भदोही (उत्तर प्रदेश)। उत्तर प्रदेश के भदोही में रविवार शाम को भीषण हादसा हो गया। यहां एक दुर्गा पंडाल में आग लगने से अब तक 5 लोगों की मौत हो गई। इनमें 3 बच्चे और 2 महिला शामिल हैं। वहीं 47 की हालत गंभीर है। इनके अलावा 15 लोग मामूली रूप झुलसे हैं। इन सभी को वाराणसी के क्का रेफर किया गया है। हादसा औराई क्षेत्र के नरथुआ में हुआ है। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त पंडाल में करीब डेढ़ सौ लोग मौजूद थे।

पुलिस के मुताबिक, आग उस समय लगी जब पंडाल में भगवान शंकर और काली मां के नाटक का मंचन चल रहा था। इससे अफरा-तफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। भीड़ ज्यादा होने की वजह से लोग जब तक बाहर निकलते, उससे पहले आग की चपेट में आ गए। आसपास के लोगों ने किसी तरह से लोगों को बाहर निकाला। एक प्रत्यक्षदर्शी महिला बुद्धी ने बताया कि शॉर्ट-सर्किट की वजह से आग लगी। इसके बाद पूरे पंडाल में फैल गई।

हादसे में मारे गए लोगों की लिस्ट

हर्षवर्धन (8), नवीन (10), अंकुश सोनी (12), जया देवी (45) और आरती चौबे (48) हैं।

पूजा अनुमति के बावजूद फायर ब्रिगेड की गाड़ी खड़ी नहीं थी

घटना के वक्त पंडाल में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे ही थे।

दुर्गा पूजा की अनुमति ली गई थी। मगर, परिसर के आस-पास अग्निशमन विभाग की फायर ब्रिगेड नहीं खड़ी थी। 20 मिनट के बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पहुंची। 2 घंटे की मशक्कत के बाद

आग पर काबू पाया। इसके बाद घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया।

आग लगने के बाद अफरा- तफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

बताया जा रहा है कि अंदर माता जी की गुफा जैसा पंडाल था। एक तरफ माता जी की मूर्ति लगी थी। प्रत्यक्षदर्शी विनय कहते हैं, शंकर और काली मां की लीला का मंचन हो रहा था। आरती का समय हो चला था। इसलिए पंडाल में 150 से 200 लोग मौजूद थे। अचानक आग लग जाती है। आग देखकर हम लोग दौड़कर पहुंचे। पर्दा खींचकर फाड़ दिए, ताकि लोग बाहर भाग सकें।

एक और महिला ने बताया, पंडाल में बहुत तेजी से आग फैली थी। आग की लपटें ऊपर तक जा रही थीं। लोग खुद ही बचाव के लिए आ गए। पानी डालने लगे। किसी तरह लोगों को बचाया गया।

जांच के लिए SIT बनी, 4 दिन में देगी रिपोर्ट-भदोही के डीएम गोरांग राठी ने घटना की जांच के लिए 4 सदस्यीय SIT गठित की। टीम में भदोही के अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), अपर पुलिस अधीक्षक, एक्सईएन हाईडिल और फायर सेफ्टी ऑफिसर शामिल हैं। ये जांच टीम 4 दिन में अपनी रिपोर्ट देगी। DM गौरंग राठी ने कहा कि शॉर्ट सर्किट की वजह आग लगने की आशंका है।

दमकल विभाग के एक सीनियर अफसर ने बताया, पंडाल को गुफा जैसा बनाया गया था। गुफा को बर्फीला-पथरीला और ऊबड़-खाबड़ दिखाने के लिए उसमें सिल्वर फॉयल जैसी पन्नी लगाई गई थी। घटना के वक्त पंडाल में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। इसी दौरान एक वायर में स्पार्किंग हुई और आग लग गई। पंडाल में सिल्वर फॉयल लगे होने की वजह आग ने कुछ ही सेकेंड में सबकुछ अपने जद में ले लिया।

उद्योग विहार में इमारत गिरने से तीन से चार मजदूर दबे, एक को बचाया; बचाव कार्य जारी

गुरुग्राम। गुरुग्राम के उद्योग विहार फेज 1 में सोमवार सुबह एक तीन मंजिला पुरानी इमारत उस समय भरभराकर गिर गई, जब उसे ध्वस्त किया जा रहा था। पुलिस ने कहा कि घटना सोमवार सुबह करीब 7.20 बजे हुई जब मजदूर इमारत की पहली मंजिल को गिरा रहे थे। पुलिस का कहना है कि घटन में चार मजदूर फंस गए, जिनमें से दो को मिनटों में सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि इमारत जर्जर हालत में थी जिसकी स्थिति बारिश के कारण और भी खराब हो गई थी। दमकल अधिकारियों ने बताया कि दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर भेजी गई हैं। पुलिस ने बताया कि हादसे के समय 20 से अधिक मजदूर मौके

पुलिस ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि इमारत जर्जर हालत में थी जिसकी स्थिति बारिश के कारण और भी खराब हो गई थी।

पर मौजूद थे। पुलिस उपायुक्त दीपक सहारन ने कहा कि उनकी टीम कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुंच गई और बचाव अभियान के लिए 150 से अधिक पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। सिविल डिफेंस और राज्य आपदा प्रबंधन कोष (एसडीआरएफ) की एक टीम भी मौके पर पहुंच गई है और उस जगह की पहचान कर ली है जहां मजदूर फंसे हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत पुरानी इमारत थी जिसे 26 सितंबर से ध्वस्त किया जा रहा था।

सावधान! घर पर चार्ज हो रहे इलेक्ट्रिक स्कूटर में धमाका, 7 साल के बच्चे की मौत

मुंबई। इलेक्ट्रिक स्टूकर की बैटरी में धमाका होने से 7 साल के बच्चे की मौत हो गई। यह घटना महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के वसई इलाके की है। धमाके की चपेट में आने से बच्चे का शरीर 70 फीसदी तक जल गया था। स्टूकर में ब्लास्ट की यह घटना 23 सितंबर की रात की है। राम दास नगर में स्थित अपने घर में सब्बीर अंसारी अपनी दादी के साथ हॉल में सो रहा था। बताया जा रहा है कि अंसारी के पिता ने सोने से पहले इलेक्ट्रिक स्टूकर को चार्जिंग के लिए लगाया था। तड़के 4:30 और 5:00 के बीच अचानक धमाके की

आवाज सुनाई दी, जिससे बच्चे के पेरेंट्स की नींद खुल गई।

दादी को हादसे में आई हल्की चोटें

ब्लास्ट की चपेट में आने से अंसारी जल गया, उसे जल्दी से अस्पताल ले जाया गया। कई दिनों तक चले इलाज के बाद आखिरकार बच्चे ने दम तोड़ दिया। वहीं, उसकी दादी को इस हादसे में हल्की चोटें आई हैं। स्कूटर की बैटरी को चार्ज में कब लगाया गया था, इसे लेकर स्थिति साफ नहीं है। पीड़ित के परिवार वालों का दावा है कि तड़के 2:30 बजे चार्जिंग के लिए लगाया था।

पीड़ित के घरवाले स्कूटर निर्माता को ठहरा रहे दोषी

मानिकपुर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर संपत पाटिल ने कहा, हमने दुर्घटना के तहत मौत का मामला दर्ज किया है। अभी तक हमें पीड़ित के परिवार वालों से कोई शिकायत नहीं मिली है। स्कूटर 2021 मॉडल का है। इस मामले की जांच जारी है। शुरुआती तौर पर माना जा रहा है कि ओवर-हीटिंग के चलते यह हादसा हुआ होगा। अंसारी के घरवाले स्कूटर के निर्माता को दोषी ठहरा रहे हैं।

मेदांता में मुलायम सिंह की हुई डायलिसिस, पोती की अपील-दादा की सलामती की दुआ करें

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह की हालत गंभीर है। वो गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं। मेदांता अस्पताल के आईसीयू में रविवार रात तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर उनकी डायलिसिस भी की गई है। उनकी पोती अदिति यादव ने उनकी तस्वीर जारी है। इसके साथ ही लोगों से अनुरोध किया है कि वे दादा जी के अच्छे स्वास्थ्य की ईश्वर से मंगलकामना करें।

मेदांता में रविवार रात 10 बजे से शुरू हुई डायलिसिस सोमवार सुबह तक चली। सिंह का इलाज डॉ. यतिन मेहता की टीम कर रही है। वह क्रिटिकल

रात तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर उनकी डायलिसिस भी की गई है। उनकी पोती अदिति यादव ने उनकी तस्वीर जारी है। इसके साथ ही लोगों से अनुरोध किया है कि वे दादा जी के अच्छे स्वास्थ्य की ईश्वर से मंगलकामना करें।

केयर यूनिट के निदेशक हैं। कई दिन से भर्ती मुलायम का इलाज अब तक कैंसर विशेषज्ञ डॉ. नितिन सूद की टीम कर रही थी। हालांकि मेदांता ने यादव के स्वास्थ्य के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। समाजवादी पार्टी ने जरूर आधिकारिक बयान में कहा है कि उनकी हालत गंभीर है। इसके साथ ही सपा कार्यकर्ताओं से यह भी अपील की गई है कि वे गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल के बाहर न जमा हों।

दशहरा रैली, संघ, भाजपा नेताओं पर थी हमले की प्लानिंग; हैदराबाद से लश्कर के 3 संदिग्ध गिरफ्तार

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में आतंकवादी हमले की साजिश रचने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से चार हथगोले, 5 लाख 41 हजार 800 रुपये की नकद , 5 मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल जब्त की है। संदेह है कि ये तीनों पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैएबा से जुड़े हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, तीनों संदिग्धों पर संघ और भाजपा नेताओं पर हमले के भी आरोप लगे हैं। हालांकि उन्होंने स्टेट काउंटर-इंटेलिजेंस सेल और स्पेशल टास्क फोर्स के सामने जो बयान दिए हैं, उसमें इसका जिक्र नहीं है।

पुलिस के बयान के मुताबिक, मलकपेट के अब्दुल जाहिद ने पाकिस्तान स्थित आईएसआई के साथ पुराने सहयोगियों के साथ विस्फोटों और अन्य आतंकी कृत्यों की साजिश रचने के लिए फिर संपर्क बनाए। वह पहले भी हैदराबाद में आतंकवाद से संबंधित कई मामलों में शामिल था।

जाहिद को मिली थी 4 हथगोलों की खेप

बयान में कहा गया कि जाहिद को चार हथगोले की खेप मिली थी और वह हैदराबाद में सनसनीखेज आतंकी हमले करने जा रहा था। पुलिस की एक टीम

ने तत्परता से कार्रवाई की और अकबर बाग के अब्दुल जाहिद , सैयदाबाद के मोहम्मद, समीरुद्दीन और हुमायूं नगर, मेहदीपट्टनम के माज हसन फारूक को गिरफ्तार कर लिया।

जाहिद पहले भी आतंकी मामलों में रहा शामिल

शुरुआती जांच में सामने आया कि अब्दुल जाहिद पहले भी हैदराबाद में कई आतंकवाद से संबंधित मामलों में शामिल था, जिसमें 2005 में बेगमपेट में हैदराबाद सिटी पुलिस कमश्निर के टास्क फोर्स कार्यालय पर आत्मघाती हमला भी शामिल है। वह पाकिस्तानी आईएसआई और एलईटी के आकाओं से लगातार संपर्क में था।

हैदराबाद से पाकिस्तान भागे तीन आतंकी

जांच में यह भी सामने आया कि कई आतंकी मामलों में वांछित और हैदराबाद शहर के मूल निवासी फरहतुल्ला गोरी, सिद्दीकी बिन उस्मान और अब्दुल मजीद फरार हो गए थे। ये तीनों पाकिस्तान में बस गए और अब आईएसआई के आकाओं के मातहत काम कर रहे हैं। पुलिस टीम आरोपियों से पूछताछ के आधार पर आगे का ऐक्शन लेगी।

कांग्रेस लड़ रही है देश के हर नागरिक की लड़ाई-राहुल

नयी दिल्ली - कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि देश की एकता और अखंडता वर्तमान परिवेश में बड़ा सवाल बन गया है तथा भारत जोड़ो यात्रा के जरिए वह देश को एकजुट करने की लड़ाई लड़ रहे हैं।

श्री गांधी ने अपने फेसबुक संदेश में देश में बदलाव के लिए गांधी जी का एक उद्धरण देते हुए कहा, खुद वो बदलाव बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।

उन्होंने कहा,राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भारत को सत्य और अहिंसा की राह दिखायी। उनके आदर्शों पर चलना कठिन ज़रूर है लेकिन नामुमकिन नहीं, सिर्फ़ मज़बूत इरादों की ज़रुरत है। उनका कहना था कि इस संदर्भ में उन्होंने बापू के विचारों को खूब पढ़ा, समझा और उन्हें अपनाया है और आज वह उन्हीं के बताए हुए रास्ते पर चलने का प्रयास कर रहे हैं।

श्री गांधी ने कहा,बापू ने हमें मानवता और समानता का अर्थ समझाया, दूसरों की सेवा करना सिखाया और महिलाओं का सम्मान करना सिखाया। विनम्रता और सादगी से भी हम अपनी बात दूसरों के सामने रख सकते हैं, ये सिखाया।

उन्होंने कहा, आज हम भारत जोड़ो यात्रा कर रहे हैं, तीन हफ़्तों से ज़्यादा का समय बीत चुका है और अभी भी हज़ारों मील पैदल चलना बाक़ी है। मुझसे कई लोगों ने पूछा कि आप लोग ये भारत जोड़ो यात्रा क्यों कर रहे हैं। बहुत सालों पहले बापू ने देश को एकजुट करने के लिए डांडी मार्च किया और पूरा देश उनके साथ पैदल निकल पड़ा तब हम अंग्रेज़ों

से अपनी आज़ादी के लिए लड़े थे, आज हम भारत को एकजुट करने के लिए लड़ रहे हैं। ये लड़ाई कांग्रेस पार्टी की ही नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक की लड़ाई है।

श्री गांधी ने कहा कि आज बेरोज़गारी, महंगाई, नफ़रत, भुखमरी, हिंसा, शोषण, दमन और असमानता ने देश की नींव पर हमला बोल दिया है। युवाओं को नौकरियां नहीं मिल रहीं, महंगाई से आम जनता की कमर टूट चुकी है और नफ़रत ने एक हिंदुस्तानी को दूसरे हिंदुस्तानी की जान का दुश्मन बना दिया है। देश आज डर की गिरफ़्त में है। हमारा प्यारा भारत कभी भी ऐसा नहीं था। आज इन्ही विभाजनकारी नीतियों के ख़िलाफ़ एक साथ, कदम से कदम मिला कर कन्याकुमारी से कश्मीर तक हम सब चल रहे हैं। देश के विभिन्न कोनों से उठ रही आवाज़ें एक हो रही हैं, लोग यात्रा से जुड़ते जा रहे हैं और कारवां बड़ा होता जा रहा है। कोई भी शक्ति भारत जोड़ो यात्रा को रोक नहीं सकती है क्योंकि ये हिंदुस्तान की आवाज़ है।

उन्होंने कहा,हम सब मिलकर बापू के आदर्शों पर चलते हुए प्रेम, सत्य और अहिंसा को अपनाते हुए, शांतिपूर्ण तरीके से इस यात्रा को आगे बढ़ाएंगे। हम लोगों की आवाज़ सुन रहे हैं, उनकी परेशानियां सुन रहे हैं। इस पूरी यात्रा में हम जनता की बात सुनेंगे और उनकी आवाज़ उठाएंगे। बारिश आंधी तूफान गर्मी सर्दी कुछ भी हमारी इस यात्रा में बाधक बनने वाला नहीं है। हम चलेंगे, हम जुड़ेंगे, हम जीतेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कोर्ट की दलील थी कि महिलाओं के साथ विवाहित व अविवाहित होने के आधार पर किसी तरह का भेदभाव संवैधानिक रूप से तार्किक नहीं कहा जा सकता। वहीं इसके अलावा कोर्ट ने यह भी कहा कि बलात्कार के अपराध की व्याख्या में वैवाहिक बलात्कार को भी शामिल किया जाये जिससे एमटीपी अधिनियम का मकसद पूरा हो सके।

स्त्री हक का दायरा

भारत कानूनी रूप से महिला अधिकारों को लेकर दुनिया के तमाम देशों से आगे रहा है, जिसे समय-समय पर आने वाले शीर्ष अदालत के फैसलों ने संबल दिया। एक हालिया फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं के अपने शरीर पर अधिकार की अवधारणा को एक बार फिर स्थापित ही किया है। निश्चय ही इस फैसले के आलोक में भविष्य में महिला अधिकारों को पुख्ता करने में मदद मिलेगी। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने गर्भ का चिकित्सीय समापन यानी एमटीपी अधिनियम के तहत विवाहिताओं के साथ ही अविवाहित महिलाओं को गर्भावस्था के 24 माह तक सुरक्षित व कानूनी रूप से गर्भपात का अधिकार दिया है। कोर्ट की दलील थी कि महिलाओं के साथ विवाहित व अविवाहित होने के आधार पर किसी तरह का भेदभाव संवैधानिक रूप से तार्किक नहीं कहा जा सकता। वहीं इसके अलावा कोर्ट ने यह भी कहा कि बलात्कार के अपराध की व्याख्या में वैवाहिक बलात्कार को भी शामिल किया जाये जिससे एमटीपी अधिनियम का मकसद पूरा हो सके। दरअसल, बदलते वक्त के साथ भारतीय समाज में रिश्तों के स्वरूप में आ रहे बदलावों व महिला अधिकारों के विस्तार के नजरिये से कोर्ट ने अधिनियम के मकसद को परिभाषित किया है। निस्संदेह, जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला तथा जस्टिस एएस बोपन्ना की पीठ के ताजा फैसले ने महिला सशक्तीकरण की अवधारणा को ही संबल दिया है। साथ ही स्पष्ट किया कि महिला के शरीर पर पहला हक स्त्री का है, जिसको विवाहित व अविवाहित होने के चलते किसी अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। उल्लेखनीय है कि एमटीपी अधिनियम के तहत गर्भपात के जिन नियमों का उल्लेख है शीर्ष अदालत ने उन्हें अधिक स्पष्टता दी है। जिसका संदेश यह भी कि नये दौर के भारत में स्त्री को अपनी देह से जुड़े फैसलों को लेने का पूरा हक है। वह बात अलग है कि देश के एक बड़े तबके में अभी यह प्रगतिशील सोच विकसित नहीं हो पायी है। निस्संदेह, पुरुष वर्चस्व वाले समाज में स्थितियां आज भी काफी जटिल हैं जिसके मूल में अशिक्षा व गरीबी की बड़ी भूमिका रही है। यह वजह है कि शीर्ष अदालत के तमाम प्रगतिशील फैसले व्यवहार में उतने प्रभावकारी नहीं हो पाते। यदि देश में पुख्ता कानून सामाजिक बदलाव के वाहक नहीं बनते तो उन्हें क्रियान्वित करने वाली एजेंसियों की कारगुजारियों का मूल्यांकन करना समय की जरूरत है। साथ ही लोगों की सोच बदलने के लिये रचनात्मक पहल करने की जरूरत भी। जिससे महिलाओं से जुड़े कानूनों का वास्तविक लाभ उन्हें मिल सके। तभी महिलाओं की सुरक्षा को हकीकत बनाया जा सकेगा। उन्हें बताना होगा कि उनकी सहमति के विशिष्ट मायने हैं ताकि वे किसी भी तरह की ज्यादती का प्रतिरोध कर सकें। उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत का हालिया फैसला एक पच्चीस वर्षीय अविवाहिता की याचिका पर आया, जिसे उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने पर राहत नहीं मिल सकी थी। जिसके बाद वह शीर्ष अदालत पहुंची, इस मामले के आलोक में कोर्ट की नयी व्याख्या सामने आई। जिसके बारे में तीन सदस्यीय पीठ की स्पष्ट राय थी कि किसी महिला को यह अधिकार न देना उसकी अस्मिता से खिलवाड़ ही है। निस्संदेह, जब अमेरिका समेत तमाम विकसित देशों में भी महिलाओं को गर्भपात से जुड़े पर्याप्त अधिकार नहीं मिल पाये हैं, भारतीय न्यायिक व्यवस्था की प्रगतिशीलता हमें शेष दुनिया से आगे रखती है। दुनिया में सौ देश भी ऐसे नहीं हैं जहां गर्भपात को लेकर स्पष्ट कानूनी दृष्टि हो। ऐसे में शीर्ष अदालत की हालिया व्याख्या महिलाओं के अधिकारों को मजबूती देती है।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

मनु की मम्मी उसे वर्णमाला की पुस्तक पढ़ा रहीं थी। मनु नटखट था वह मन लगा कर पढ़ नहीं रहा था। तंग आकर मम्मी ने उसके गाल पर तमाचा जड़ दिया, 'चुप हो जाओ इतने जल्दी भूल गए। कल मैंने तमसे कहा था कि अच्छे बच्चे मन लगा कर पढ़ते हैं।'

मनु , 'मम्मी आप भी एक बात भूल गई आप ने कहा था कि अच्छे बच्चो को माता-पिता पीटते नहीं।'

□ □ □

दीपू, 'पापा, धरती सूर्य के इर्द-गिर्द कितने समय में अपनी परिक्रमा पूरी करती हैं?'

पापा, 'मुझे नहीं मालूम। किसी और से पूछ लो।'

दीपू, 'पापा कभी तो कुछ बता दिया करें। आप की इसी नासमझी के कारण कल मुझे क्लास में मुर्गा बनना पड़ा।'

□ □ □

टीचर- मैंने तुम्हें कुत्ते पर निबंध लिखने के लिए कहा था।

छात्र- गुरु जी , मैं जिस भी कुत्ते पर पेंसिल रखता हूं वह भाग जाता है।

□ □ □

मालकिन (नई नौकरानी से)'देखो हम लोग सुबह का नाश्ता ठीक आठ बजे करते है, समझ गई।'

नौकरानी, 'जी अगर में कभी आठ बजे तक न पहुंच सकूं, तो नाश्ते पर मेरा इंतजार मत करना।'

कृषि क्षेत्र में उत्पन्न हो रहे हैं रोजगार के नए अवसर

लेखक- प्रहलाद सबनानी

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र से डेयरी उद्योग आज 4 प्रतिशत का योगदान कर रहा है, जो कृषि क्षेत्र की विभिन्न मदों में सबसे अधिक है। लगभग 7 करोड़ कृषक आज सीधे ही डेयरी क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं एवं इस क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। भारत कृषि क्षेत्र के विभिन्न उत्पादों के उत्पादन के मामले में भी वैश्विक स्तर पर अपनी स्थिति में लगातार सुधार कर रहा है। जैसे इस वर्ष भारत, चीन के बाद, दुनिया का सबसे बड़ा दूसरा चाय उत्पादक देश बन गया है।

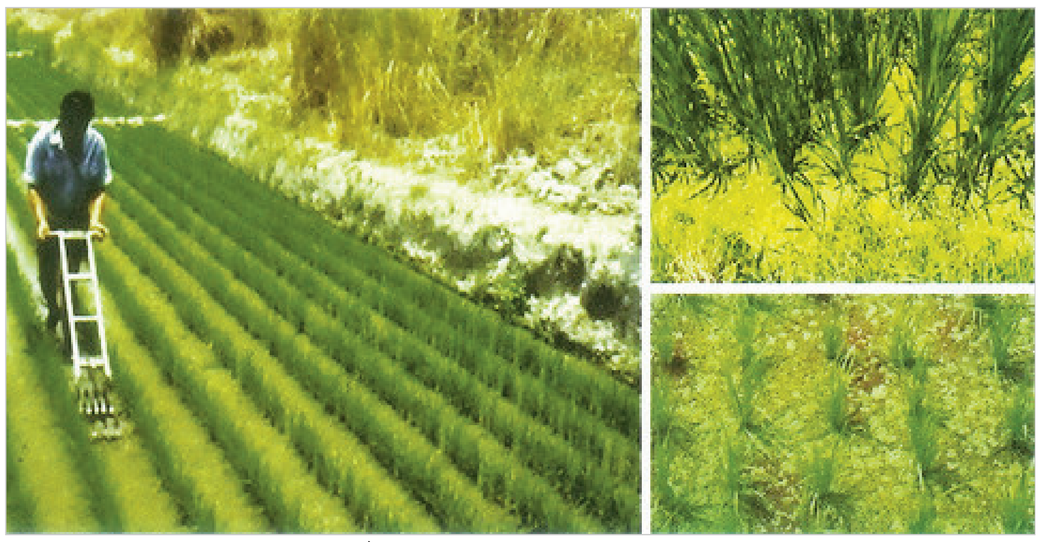

भारत में लगभग 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास करती है। इसलिए यह बहुत आवश्यक है कि रोजगार के अधिक से अधिक अवसर भी गावों में ही निर्मित होने चाहिए, अन्यथा गावों से शहरों की ओर नागरिकों का पलायन जारी रहेगा और शहरों पर जनसंख्या का दबाव बढ़ता रहेगा। केंद्र सरकार की सफल आर्थिक नीतियों के चलते अब ग्रामीण इलाकों में भी बेरोजगारी की दर लगातार कम हो रही है, क्योंकि अब ग्रामों में भी रोजगार के अवसर अधिक संख्या में निर्मित हो रहे हैं। भारत में आज न केवल दुग्ध क्रांति हुई है बल्कि कृषि एवं परिष्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात भी बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। भारत आज दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो गया है। भारत में करीब 8 करोड़ परिवार दुग्ध उत्पादन और इसके व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। देश में प्रति वर्ष लगभग 9.5 लाख करोड़ रुपए की कीमत का दूध का उत्पादन होता है। 1974 में भारत सिर्फ 2.3 करोड़ टन दूध का उत्पादन करता था, जो हमारी घरेलू जरूरतों से भी कम था। लेकिन आज 2022 में भारत का दूध उत्पादन करीब दस गुना बढ़कर 22 करोड़ टन हो गया है और आज भारत दूध का निर्यात करने की बेहतर स्थिति में आ गया है। भारत 23 प्रतिशत दूध उत्पादन के साथ दुनिया का नंबर एक उत्पादक बन गया है एवं भारत के बाद अमेरिका, चीन, पाकिस्तान एवं ब्राजील का नाम आता है। पिछले 8 वर्षों के दौरान भारतीय डेयरी उद्योग ने 44 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करते हुए वर्ष 2014-15 में 14.63 करोड़ टन से बढ़कर वर्ष 2020-21 में 21 करोड़ टन का उत्पादन हुआ है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र से डेयरी उद्योग आज 4 प्रतिशत का योगदान कर रहा है, जो कृषि क्षेत्र की विभिन्न मदों में सबसे अधिक है। लगभग 7 करोड़ कृषक आज सीधे ही डेयरी क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं एवं इस क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। भारत कृषि क्षेत्र के विभिन्न उत्पादों के उत्पादन के मामले में भी वैश्विक स्तर पर अपनी स्थिति में लगातार सुधार कर रहा है। जैसे इस वर्ष भारत, चीन के बाद, दुनिया का सबसे बड़ा दूसरा चाय उत्पादक देश बन गया है। आज भारत प्रति वर्ष 13 लाख टन चाय का उत्पादन कर रहा है। चाय उत्पादन के साथ ही मछली उत्पादन के क्षेत्र में भी भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया है। मछली का उत्पादन करने वाले किसानों और मछुआरों की आय को दोगुना करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने 10 सितंबर 2020 में 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा' योजना शुरू की थी। मत्स्य पालन के क्षेत्र में 2019-20 से लेकर 2021-22 तक 14.3 प्रतिशत की प्रभावी वृद्धि देखी गई है। भारत 47,000 करोड़ रुपये से अधिक की मछलियों का निर्यात करता है। वर्ष 2020-21 में भारत का सी-फूड निर्यात 11.50 लाख मीट्रिक टन का रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था, विशेष रूप से कृषि के क्षेत्र, में उक्त वर्णित संवर्धनों के चलते हाल ही के वर्षों में भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे लोगों की संख्या में अच्छी खासी कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2011-12 में भारत में गरीबी का अनुपात 21.9 प्रतिशत था जो वर्ष 2020-21 में घटकर 17.9 प्रतिशत हो गया है। गरीबी के अनुपात में लगातार आ रही कमी मुख्य रूप से भारत की प्रति व्यक्ति औसत आय में लगातार हो रही तेज वृद्धि के कारण सम्भव हो सकी है। भारत में प्रति व्यक्ति औसत आय वर्ष 2001-02 में केवल 18,118 रुपए थी जो एक दशक पश्चात अर्थात वर्ष 2011-12 में बढ़कर 68,845 रुपए हो गई। इसके बाद के 10 वर्षों में तो और अधिक तेज गति से वृद्धि दर्ज करते हुए वर्ष 2021-22 में यह 174,024 रुपए हो गई है। भारत की प्रति व्यक्ति औसत आय में वृद्धि, गरीब वर्ग की औसत आय में हो रही तेज वृद्धि के कारण भी सम्भव हो पा रही है। एक अन्य शोधपत्र में भी यह बताया गया है कि बहुत छोटी जोत वाले किसानों की वास्तविक आय में 2013 और 2019 के बीच वार्षिक 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है वहीं अधिक बड़ी जोत वाले किसानों की वास्तविक आय में केवल 2 प्रतिशत की वृद्धि प्रतिवर्ष दर्ज हुई है। दूसरे, भारत में वित्तीय वर्ष 2021-22 में सकल घरेलू उत्पाद का मूल्य 232.15 लाख करोड़ रुपए (अनुमानित) रहा है जो कि वित्तीय वर्ष 2020-21 में 197.46 लाख करोड़ रुपए (अनुमानित) से बहुत अधिक है। इस प्रकार अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय नागरिकों की आय में 17.6 प्रतिशत की अनुमानित वृद्धि वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान रही है। आज जहां पूरी दुनिया में खाद्यान्न का संकट गहराता जा रहा है, वहीं भारत खाद्यान्न उत्पादन में नए-नए कीर्तिमान बना रहा है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 2021-22 के लिए मुख्य कृषि फसलों के उत्पादन के तृतीय अग्रिम अनुमान जारी किए हैं। इसके अनुसार भारत में 31.451 करोड़ टन खाद्यान के उत्पादन का अनुमान है, जो वर्ष 2020-21 के दौरान के खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में 37.7 लाख टन अधिक है। वर्ष 2021-22 के दौरान खाद्यान्न उत्पादन पिछले 5 वर्षों के औसत खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में 2.38 करोड़ टन अधिक है। भारत के लिए यह एक नया कीर्तिमान होगा। इसी प्रकार, केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2022-23 में 32.8 करोड़ टन रिकॉर्ड खाद्य उत्पादन का लक्ष्य रखा है। जो पिछले वर्ष के मुकाबले 3.8 प्रतिशत अधिक है।

एक अनुमान के अनुसार भारत में वर्ष 2021-22 में बागवानी का उत्पादन 34.2 करोड़ टन होने जा रहा है। यह 2.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 70.3 लाख टन से बढ़ने जा रहा है। जो वर्ष 2020-21 में 33.46 करोड़ टन पर रहा था। फलों का उत्पादन वर्ष 2020-21 के 10.25 करोड़ टन से बढ़कर वर्ष 2021-22 में 10.71 करोड़ टन पर पहुंचने की सम्भावना है और सब्जियों का उत्पादन वर्ष 2020-21 के 2.66 करोड़ टन से बढ़कर 3.17 करोड़ टन पर पहुंचने की सम्भावना है। बागवानी के तेजी से बढ़ रहे उत्पादन से किसानों की आय में अधिक वृद्धि दृष्टिगोचर हो रही है। कुल मिलाकर यह देखने में आ रहा है कि भारत के किसान अब सम्पन्न हो रहे हैं एवं भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 14.2 प्रतिशत से बढ़कर 18.8 प्रतिशत हो गया है। अभी हाल ही में भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी किए गए एक प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि भारत में कृषि उत्पादों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में भी वर्ष 2014 के बाद से 1.5 से 2.3 गुना तक की वृद्धि दर्ज हुई है। इससे किसान अधिक समर्थन मूल्य वाली फसलों का उत्पादन बढ़ा रहे हैं एवं अपनी आय में तेज गति से वृद्धि करने में सफल हो रहे हैं। इसी प्रकार, भारत से अनाज का निर्यात भी वित्तीय वर्ष 2021-22 में बढ़कर 5000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक हो गया है।

प्रति व्यक्ति औसत आय में हो रही वृद्धि के चलते भारत में बेरोजगारी की दर में भी कमी दृष्टिगोचर है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनामी (सीएमआईई) द्वारा मासिक अंतराल पर जारी किए जाने वाले रोजगार सम्बंधी आंकड़ों के अनुसार, भारत में बेरोजगारी की दर फरवरी 2022 माह में 8.10 प्रतिशत थी, जो मार्च 2022 माह में घटकर 7.6 प्रतिशत रह गई एवं 2 अप्रैल 2022 को यह अनुपात और घटकर 7.5 प्रतिशत रह गया।

एक अन्य अनुमान के अनुसार, वर्तमान समय में भारत में संगठित क्षेत्र में नौकरियां (सरकारी, अर्द्धसरकारी व निजी क्षेत्र) केवल 6-7 प्रतिशत ही उपलब्ध हैं तथा असंगठित क्षेत्र में (कच्ची, ठेके पर, दिहाड़ी पर) एवं अन्य सभी क्षेत्रों की मिलाकर कुल 20-21 प्रतिशत तक ही उपलब्ध होती हैं। इस प्रकार देश में शेष 79-80 प्रतिशत लोग कृषि, लघु एवं कुटीर उद्योगों तथा स्वरोजगार जैसे क्षेत्रों में अपना रोजगार प्राप्त कर रहे हैं, जिसमें कृषि क्षेत्र का विशेष योगदान देखा जा रहा है।

विश्व पशु दिवस

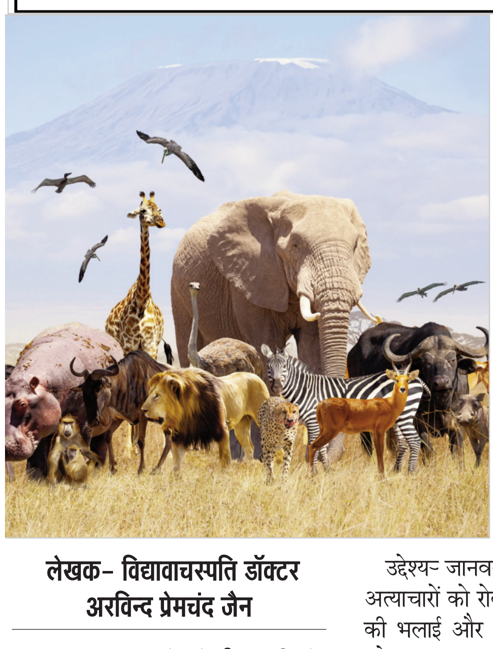

लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

(4 अक्टूबर पशुओं को भी नागरिकों जैसे अधिकार हैं)

विश्व पशु या जानवर दिवस (वर्ल्ड एनिमल डे) प्रत्येक वर्ष 4 अक्टूबर को मनाया जाता है, इसका मिशन दुनिया भर के जानवरों के लिए कल्याण मानकों में सुधार करना है और सभी जानवरों के लिए दुनिया को बेहतर जगह बनाने के लिए काम करना है। इस साल 2022 में वर्ल्ड एनिमल डे, 4 अक्टूबर को मंगलवार के दिन(ए शेयर्ड प्लेनेट)साझी पृथ्वी की थीम के साथ मनाया जा रहा है। यह एक ऐसा दिन है जिसमें दुनिया भर के लोग जानवरों की भलाई और अधिकारों के लिए काम करते हैं। विश्व पशु दिवस ,शुरूआतः 1929 ,तिथि 04 अक्टूबर इसकी शुरुआत जर्मन लेखक और प्रकाशक हेनरिक ज़िमरमन ने जानवरों के कल्याण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के मकसद से की थी।

उद्देश्यः जानवरों पर हो रही क्रूरता एवं अत्याचारों को रोकने के लिए तथा पशुओं की भलाई और अधिकारों के प्रति लोगों को जागरुक करने के मकसद से हर साल अन्तराष्ट्रीय स्तर पर विश्व पशु कल्याण दिवस 4 अक्टूबर को मनाया जाता है।

इतिहास

24 मार्च, 1925 को, मूल रूप से विश्व पशु दिवस का आयोजन हेनरिक ज़िमरमैन (1887-1942) नामक एक जर्मन द्वारा किया गया था। वे न केवल एक लेखक थे, बल्कि उन्होने एक द्वि-मासिक पत्रिका भी प्रकाशित की थी, जिसका नाम (मैन एंड डॉग) था, इसे उन्होंने इस पत्रिका को पशु कल्याण पर अपने विचारों को बढ़ावा देने के लिए एक माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया और विश्व पशु दिवस समिति की स्थापना के लिए इसका इस्तेमाल किया। 24 मार्च 1925 को, उनकी समिति ने विश्व पशु कल्याण दिवस का आयोजन किया, उन्होंने उस समय के पशु कल्याण मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए बर्लिन, जर्मनी के स्पोर्ट्स पैलेस में इसका आयोजन किया और लगभग 5 ,000 लोगों ने इस पहले कार्यक्रम में हिस्सा लिया। और यह कार्यक्रम सेंट फ्रांसिस ऑफ असीसी के पर्व के साथ रेखित किया गया था जो 4 अक्टूबर का दिन था।

अस्सीसी के फ्रांसिस ने अपने चारों ओर जानवरों की दुर्दशा को अपनी आँखों से देखा था और वे उनके दर्द को ठीक करना चाहते थे।

अगले कुछ वर्षों में, यह कार्यक्रम हर साल आयोजित किया गया और 1929 में, यह 4 अक्टूबर को आयोजित किया गया। अंततः मई 1931 में फ्लोरेंस इटली में अंतर्राष्ट्रीय पशु संरक्षण कांग्रेस द्वारा 4 अक्टूबर को विश्व पशु दिवस मनाने का संकल्प अपनाया गया था।

जिसके बाद से आज पूरी दुनिया में जानवरो की भलाई के लिए वर्ल्ड एनिमल डे मनाया जाता है।

उद्देश्य

विश्व पशु संरक्षण दिवस के दिन को जानवरों को बचाने और उनके प्रति जागरूकता फैलाने लिए मनाया जाता है। यह और भी बहुत से उद्देश्यों से मनाया जाता है जो निम्न हैः

- जानवरों के प्रति इंसानो की क्रूरता को रोकना,
- जानवरों के लिए प्राकृति द्वारा बनाए गए जंगलों को बचाना,
- पशुओं की भावनाओं का सम्मान करना
- पशुओं की स्थिति बेहतर करना,
- पशु चिकित्सा और संरक्षण को बढ़ावा देना,
- लुप्त होने की कगार पर पहुचने वाली प्रजातियों को बचाना,
- वाइल्ड लाइफ को नियंत्रित करना,
- जीव-जंतुओं में भी मनुष्य की तरह जान है, अतः यह भी सम्मान का हक़ रखते है।
- वर्ल्ड एनिमल डे को विश्वभर में पशु जागरुकता कार्यक्रम, पशु क्रुरता व उत्पीड़न को रोकने का अभियान तथा मैराथन आदि का आयोजन किया जाता है।

इसके साथ ही पालतू जानवरों को गोद लेने एवं बेघर जानवरों को आश्रय प्रदान करने जैसे कार्य भी किए जाते हैं, यहां तक कि पालतू जानवर और उनके पशुओं के लिए कुछ सहायता राशि भी प्रदान की जा सकती है।

इतना ही नहीं पशु संगठन एवं पशुओं के लिए बने अन्य कानूनों के प्रति लोगों से बातचीत करने हैं एवं चर्चा आदि के लिए कई सम्मेलनों और सेमिनारों की व्यवस्था भी की जाती है।

महत्व

पृथ्वी पर जीवन बरकरार रखने के लिए जानवरों और मनुष्य के बीच बैलेंस होना काफी जरूरी है क्यों ये खाद्य श्रृंखला और इको सिस्टम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, अगर ऐसा नहीं होता तो पृथ्वी पर जीवन की कल्पना करना मुश्किल है।

मनुष्य शुरू से ही बहुत ज्यादा स्वार्थी प्राणी रहा है जिसने सभी सीमाओं को लांघ कर पृथ्वी का पूर्ण शोषण भी किया है। आज मनुष्य ने है पृथ्वी पर मौजूद कई प्राणियों एवं प्राकृतिक तत्वों के साथ-साथ कई पेड़ पौधों को भी नष्ट कर दिया है कई प्रजातियां विलुप्त हो गई है और कुछ विलुप्त होने की कगार पर हैं। यदि इन सभी को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो जल्द ही पृथ्वी पर से मनुष्य का जीवन भी समाप्त हो जाएगा। ऐसे में हमें पृथ्वी पर संतुलन बनाए रखने के लिए जीव जंतुओं पेड़ पौधों और पशु पक्षियों के साथ संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

चिंतन-मनन

जीवन में विचार की आवश्यकता

कुटिल एवं असत्य विचार से मुक्ति का सरल उपाय सुविचार की भावना दृढ़ करना है। शांतिदायक सुविचार की गंगा प्रवाहित करने पर ही हम मानसिक दुर्बलता से मुक्त हो सकते हैं। प्रत्येक विचार अंतःकरण में एक मानसिक मार्ग का निर्माण करता है। हमारी समस्त आदतें ऐसे ही मानसिक मार्ग हैं, जो लगातार एक ही प्रकार के चिंतन मनन से विनिर्मित हुए हैं। तुम मनः प्रदेश में उत्तम रचनात्मक विचार ही प्रवेश करने दो। उत्कृष्ट विचारों को ही मन मस्तिष्क पर अंकित करो। जो प्रेम, ईश्वर , नीति के विरोधी विचार हों, उन्हें निकाल फेंको। जब तुम्हारे विचारों का केन्द्र भगवान, अल्लाह, ईश्वर होंगे, तो सुनिश्चित दिशाओं में ही हृदय का विकास होगा। संसार के महापुरुषों ने जो अद्भुत कार्य किये हैं, विचार कला मर्मज्ञ के लिए उन कार्य का संपादन कदापि दुष्कर नहीं है। विचार करो कि तुम किस तत्त्व में, किस बात में, किस दशा में पिछड़ रहे हो? तुम्हारे मार्ग में कौन-कौन बाधाएं हैं? तुम गीली मिट्टी के नष्ट हो जाने वाले पुतले के सदृश, केवल देह नहीं हो। तुम अमर आत्मा हो। तुम सत्य, स्वतंत्र, शिव, कल्याण, बलवान, आनंदमय, निदरेष, स्वच्छ और पवित्र हो। तुम्हें ज्ञात होना चाहिए कि शक्ति ही जीवन है, शक्ति ही धर्म है। परमेर इस शक्ति का पुंज है। तुम परमेर के राजकुमार हो। अतएव तुम्हारी पैतृक सम्पत्ति शक्ति ही है। शक्ति तुम्हारे अंतर तथा बाह्य अंगों में पूर्णतः व्याप्त है। तुम्हारे रोम-रोम में संचार कर रही है। तुम्हारे नेत्रों में उसी शक्ति का प्रकाश है। अनंत शक्ति का विशाल समुद्र तुम्हारे पीछे है। निर्बलता, निराशा, भय तथा चिंता के संशयदायक विचार हृदय मंदिर से निकाल शक्ति के विचारों में लीन हो जाओ। परमेर ने सबको समान शक्तियां प्रदान की हैं। ईश्वर , अल्लाह के यहां अन्याय नहीं है। कितनी ही शक्तियों से कार्य न लेकर तुम उन्हें पुंठित कर डालते हो। अन्य व्यक्ति उसी शक्ति को किसी विशेष दिशा में मोड़कर उसे अधिक परिपुष्ट एवं विकसित कर लेते हैं। अपनी शक्तियों को जाग्रत, विकसित कर लेना या शिथिल पंगु बना लेना स्वयं के हाथ में है। यदि तुम मन की गुप्त महान सामर्थ्यरे को जाग्रत कर लो और लक्ष्य की ओर प्रयत्न और उत्साहपूर्वक अग्रसर होना सीख लो तो जैसा चाहो आत्म निर्माण कर सकते हो। मनुष्य के मन में जिन महत्वाकांक्षाओं का उदय होता है और जो-जो आशापूर्ण तरंगें उदित होती हैं, वे अवश्य पूर्ण हो सकती हैं, यदि वह दृढ़ निश्चय द्वारा अपनी प्रतिभा जगा लें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सितंबर में महिंद्रा ने 34,508 यूनिट्स सेल की

-168 पर्सेंट की दमदार इयर ऑन इयर ग्रोथ दर्ज

नई दिल्ली ।

सितंबर 2022 में स्वदेशी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने 34,508 यूनिट्स सेल की। इस तरह कंपनी ने 168 पर्सेंट की दमदार इयर ऑन इयर ग्रोथ दर्ज की। सितंबर 2021 में कंपनी ने सिर्फ 12,863 यूनिट्स सेल की थी। घरेलू एसयूवी निर्माता ओवर ऑल सेल के मामले में चौथे स्थान पर रहा। 2021 में 2.9 प्रतिशत के मुकाबले 2.8 प्रतिशत की बढ़त के साथ बाजार हिस्सेदारी 9.7 प्रतिशत थी। अगस्त 2022 के पिछले महीने की तुलना में 29,615 यूनिट की बिक्री के साथ, एमओएम की बिक्री में 16.5 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और त्योहारी सीजन में बिक्री संख्या में और वृद्धि होने की उम्मीद है।ब्रांड ने कुछ दिनों पहले ही स्कॉर्पियो एन की डिलीवरी शुरू की थी और इसके हालिया लॉन्च जैसे एक्सयूवी700 और सेकेंड जेनेरेशन थार के लिए भी इसकी काफी मांग है। लाइफस्टाइल ऑफ-रोडर के 5 डोर मॉडल की वर्तमान में टेस्टिंग की जा रही है और व्यापक रूप से अगले कैलेंडर वर्ष में किसी समय में लॉन्च होने की सूचना है। टाटा नेक्सान ईवी को टक्कर देने वाली एक्सयूवी400 इलेक्ट्रिक एसयूवी ने भी हाल ही में अपनी शुरुआत की। यह उसी संगयांग टीवोली के एक्स100 प्लेटफॉर्म पर एक्सयूवी300 पर आधारित है, लेकिन यह लंबा है और इसमें बड़ा बूटस्पेस है। कुछ अन्य हाइलाइट्स में तीन ड्राइव मोड (फन, फास्ट और फियरलेस), फ्रीक्वेंसी-डिपेंडेंट डंपिंग, सिंगल पेडल टेक्नोलॉजी और 60+ कनेक्टेड फीचर्स शामिल हैं। जीरो से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार महज 8.3 सेकेंड में हासिल करने का दावा किया गया

है।एक्सयूवी400 के ग्राहक परीक्षण ड्राइव दिसंबर 2022 में शुरू होंगे और डिलीवरी जनवरी 2023 के अंत तक शुरू हो जाएगी। महिंद्रा एक्सयूवी 400 में एक बार चार्ज करने पर 456 किमी की ड्राइविंग रेंज का दावा किया गया है और यह 39.4 केडब्ल्यू आईपी67-रेटेड बैटरी पैक करता है।

मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा की डिलिवरी शुरू

-कंपनी ने कुछ वक्त पहले की थी कीमत की घोषणा

नई दिल्ली ।

ऑटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा की डिलिवरी शुरू कर दी है। कुछ समय पूर्व कंपनी ने इस मिड साइज एसयूवी की कीमत की घोषणा की थी। यह हुंडई क्रेटा, किआ सेल्टोस, वीडब्ल्यू ताइगुन, स्कोडा कुशाक, एमजी एस्टोर जैसी कारों से सीधी टक्कर लेगी। पांच सीटर सेगमेंट में इस एसयूवी की काफी डिमांड है। ग्रैंड विटारा कंपनी की लेटेस्ट डिजाइन लैंग्वेज के साथ आती है जिसमें एक डिवाइडेट हेडलैंप क्लस्टर और बोल्ड लुक वाला फ्रंट दिया गया है। अन्य बाहरी हाइलाइट्स में मस्कुलर बोनट स्ट्रक्चर, फ्रंट और रियर स्किड प्लेट्स, लंबा खंभों वाला एक बड़ा ग्रीनहाउस, स्लिम एलईडी टेल लैंप्स, 17-इंच डायमंड कट अलॉय व्हील्स, स्क्वायर-ऑफ व्हील आर्चेस, रेक्ड फ्रंट विंडशील्ड, ब्लैक फिनिश्ड पिलर, और जल्द ही।

कार में स्मार्टप्ले प्रो+ कनेक्टिविटी के साथ 9 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ऐप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो ,ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल, क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स भी दिए गए हैं।इंटीरियर मनोरंजन, आराम, सुरक्षा, कनेक्टिविटी से संबंधित कई फीचर्स दिए गए हैं। मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा प्रसिद्ध ग्लोबल सी आर्किटेक्चर पर आधारित है और इसमें एक अच्छा केबिन स्पेस और बूट वॉल्यूम है।

खाने के तेलों के आयात शुल्क पर छूट अगले छह महीने तक रहेगी जारी

मुंबई ।

देश में लगातार बढ़ रही महंगाई के बीच केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। दरअसल सेंट्रल बोर्ड ऑफ इन डायरेक्ट टैक्स एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) ने खाने वाले तेल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए उसके आयात पर कस्टम ड्यूटी में छूट अगले छह महीने तक जारी रखने का फैसला किया है। अब सरकार के ताजा फैसले के बाद उपभोक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद है। सरकार की ओर से कहा गया है कि खाद्य तेलों के आयात पर कस्टम ड्यूटी में वर्ष 2023 के मार्च तक जारी करेगी। हमारे देश में खाना पकाने के तेल का दो-तिहाई हिस्सा आयात किया जाता है। बीते कुछ महीनों में रूस यूक्रेन संकट और इंडोनेशिया की ओर से पॉम ऑयल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के बाद देश में खाद्य तेलों की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली थी। हालांकि, कुछ महीने पहले इंडेनेशिया ने पाम ऑयल के निर्यात पर से बैन हटा दिया है। भारत इंडोनेशिया से सालाना करीब 80 लाख टन पाम ऑयल खरीदता है। देश में पाम ऑयल, सोयाबीन ऑयल और सूरजमुखी के तेल की कच्ची किस्मों पर फिलहाल शून्य आयात शुल्क लगता है। हालांकि, इन पर पांच फीसदी कृषि से और दस फीसदी सोशल वेलफेयर सेस चार्ज किया जाता है। सरकार ने खाद्य तेलों की कीमतों पर काबू रखने के लिए कई बार पाम तेलों के आयात पर शुल्क में कटौती करने का फैसला किया है।

अगले वित्त वर्ष मुद्रास्फीति दर 5.2 फीसदी पर आ सकती है: रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

आरबीआई की नई रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि बारिश के सामान्य रहने और सप्लाई चेन में दिक्कतें दूर होने के कारण अगले वित्त वर्ष में महंगाई दर काबू में आ सकती है। इसमें कहा गया है कि अप्रैल 2023 से शुरू होने वाले वित्त वर्ष में मुद्रास्फी ति की दर 5.2 फीसदी के स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है। आरबीआई की 'मौद्रिक नीति रिपोर्ट सितंबर 2022' में कहा गया है कि सामान्य मानसून आपूर्ति श्रृंखला में पैदा हुई समस्याएं दूर होने और कोई बाहरी या नीतिगत झटका नहीं लगने की स्थिति में वित्त वर्ष 2023-24 में महंगाई 6 फीसदी से नीचे आने का अनुमान है। हालांकि रिपोर्ट में इस चालू वित्त वर्ष में भी खुदरा महंगाई में मामूली कमी का अनुमान जताया गया है। इसमें कहा गया है कि यह 6.7 फीसदी रह सकती है।

गौरतलब है कि केंद्रीय बैंक ने महंगाई दर के 2 से 6 फीसदी के दायरे में रखने का लक्ष्य तय कर

रखा है, लेकिन तमाम कोशिशों के बाद भी देश में खुदरा महंगाई का आंकड़ा 7 फीसदी के आसपास बनी हुई है।

अप्रैल में यह आंकड़ा 7.79 फीसदी के पर पहुंच गया था। हालांकि जुलाई में मंहगाई दर 7 फीसदी से नीचे पहुंची थी, लेकिन अगस्त में ये फिर से बढ़कर 7 फीसदी पर पहुंच गई।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिकवाली हावी होने से आई है। इससे भारतीय बाजार पर भी दबाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 638.11 अंक करीब 1.11 फीसदी नीचे आकर 56,788.81 पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाले निफ्टी में 207 अंक तकरीबन 1.21 फीसदी की गिरावट आई और यह 16,887.30 पर बंद हुआ। इसके अलावा बैंक निफ्टी भी नीचे आया और यह 602.25 अंक करीब 1.56 फीसदी टूटकर 38,029.70 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी के आई टी कंपनियों के शेयरों में 0.93 फीसदी, बीएसई स्माल कैप में 0.54, बीएसई मिड कैप में 1.24, निफ्टी ऑटो में 2.03 फीसदी, बीएसई एफएमसीजी में 2.05 फीसदी की गिरावट रही , केवल बीएसई हेल्थकेयर के शेयरों में 0.81 की तेजी आई। वहीं अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों में गिरावट रही है। इसके अलावा, एशियन बाजारों में भी केवल निक्केई को छोड़ दें तो बाकि सभी जगह गिरावट रहीं। एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में जबकि जापान का निक्की बढ़त में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा।

तेल के दाम में तीन डॉलर प्रति बैरल से अधिक की बढ़त के कारण भी शेयर बाजार नीचे आया है। इसी बीच अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 3.90 फीसदी ऊपर आकर 88.46 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

देश में 5जी प्रौद्योगिकी के लिए 100 लैब बनाएगी सरकार: वैष्णव

नई दिल्ली । दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार की देश में 5जी प्रौद्योगिकी के लिए 100 लैबोरेटरी स्थापित करने की योजना है जिनमें कम से कम 12 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने एवं प्रयोग के लिए उपयोग में लाई जाएंगी। मंत्री ने हाल ही में इंडियन मोबाइल कांग्रेस में शिरकत कर रही कंपनियों से नए दूरसंचार विधयेक पर अपनी राय देने का भी आह्वान किया। इस विधेयक के माध्यम से सरकार का लक्ष्य लाइसेंस व्यवस्था को आसान बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार सभी दूरसंचार कंपनियों के के लिए लाइसेंस व्यवस्था को आसान बनाने की दिशा में काम कर रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी इंडिया मोबाइल कांग्रेस में पहुंचे और कहा कि 5 जी की शुरुआत न केवल भारत बल्कि दुनिया के लिए निर्णायक क्षण है।

सोने, चांदी में तेजी

नई दिल्ली । त्योहारों पर सोने , चांदी की कीमतें बढ़ने लगी हैं। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में 161 रुपये की तेजी आई हैं। वहीं, चांदी भी 905 रुपये उछली है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन सोना 161 रुपये की बढ़त के साथ ही 50,682 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं गत सत्र में सोना 50,521 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके अलावा चांदी भी 1,010 रुपये ऊपर आकर 58,039 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। चांदी इससे पहले 57,029 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लाभ के साथ ही 1,665.1 डॉलर प्रति औंस पर जबकि चांदी बढ़त के साथ 19.36 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

सितंबर में विनिर्माण गतिविधियों में सुधार दर्ज किया गया: एसएंडपी सर्वे

नई दिल्ली । भारत में विनिर्माण गतिविधियां सितंबर के महीने में आंशिक रूप से सुस्त पड़ने के बावजूद अच्छी स्थिति में बनी रहीं और कंपनियों ने नए कर्मचारियों की भर्ती की। सोमवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह आकलन पेश किया गया। एसएंडपी के वैश्विक भारत विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के सितंबर आंकड़ों के मुताबिक भारतीय विनिर्माण उद्योग की सेहत में तगड़ा सुधार देखा गया है। इस दौरान कंपनियों ने अपना उत्पादन बढ़ाने के साथ ही नए कर्मचारियों की भर्ती भी की। सितंबर में पीएमआई 55.1 पर रहा जो विनिर्माण गतिविधियों में विस्तार को दर्शाता है। यह लगातार 15वां महीना है जब विनिर्माण में सुधार दर्ज किया गया है। हालांकि सितंबर का पीएमआई अगस्त के 56.2 की तुलना में थोड़ा कम रहा। एसएंडपी की पीएमआई सर्वेक्षण कहता है कि विनिर्माण विस्तार की दर अगस्त की तुलना में थोड़ा सुस्त पड़ने के बावजूद ऐतिहासिक रूप से ऊंचे स्तर पर बनी रही। बिक्री में बढ़त और उत्पादन बढ़ाने की जरूरत को पूरा करने के लिए कंपनियों ने अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती की। लागत मूल्य में कमी आने से कंपनियों की खरीद में बढ़त का रुख रहा।सर्वेक्षण के मुताबिक कंपनियों की विनिर्माण खरीद से जुड़ी लागत दो साल में सबसे धीमी रफ्तार से बढ़ी जबकि उत्पादन भार मुद्रास्फीति सात महीने के निचले स्तर पर आ गई। पीएमआई के 50 से अधिक रहने को विनिर्माण गतिविधियों में सुधार का संकेत माना जाता है जबकि इस सूचकांक के 50 से नीचे रहने को विनिर्माण उद्योग में सुस्ती का इशारा माना जाता है।

सड़क परियोजनाओं के लिए 2,500 करोड़ जुटाएगी सरकार

नई दिल्ली । सरकार तीन सड़क परियोजनाओं के लिए लगभग 2,500 करोड़ रुपए की राशि जुटाने के लिए इस महीने पूंजी बाजार का रुख करेगी। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह राशि अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (इनविट) के जरिये जुटाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस राशि का इस्तेमाल तीन सड़क परियोजनाओं के वित्तपोषण में किया जाएगा। इनविट्स के जरिये निवेशक ढांचागत क्षेत्र की परियोजनाओं में लगने वाले ट्रस्ट में भागीदारी करते हैं। इनविट्स ऐसी ढांचागत परिसंपत्तियों में निवेश करते हैं जिनमें लंबे समय तक नकदी प्रवाह बना रहेगा। पिछले साल भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की तरफ से लाए गए पहले इनविट ने 5,000 करोड़ रुपए से अधिक पूंजी जुटाई थी।

ब्रिटेन सरकार ने की उच्च आय पर कर कटौती का फैसला वापस लेने की घोषणा

लंदन ।

ब्रिटेन की सरकार ने विवाद गहराने के बाद पिछले महीने घोषित कर कटौती पैकेज के उस प्रावधान को वापस लेने की घोषणा की है जिसमें उच्च आय वर्ग पर कर की ऊंची दर में कटौती की बात कही गई थी। वित्त मंत्री क्वासी क्वार्टेंग ने कहा कि वह 1.5 लाख पौंड से अधिक आय पर 45 फीसदी की दर से आयकर लगने के प्रावधान को नहीं हटाएंगे। उन्होंने कहा कि हमने इस बारे में उठ रही आवाजों को सुन लिया है। दरअसल उच्च आय वाले तबके को आयकर की ऊंची दर से राहत देने की 10 दिनों पहले की गई घोषणा का व्यापक स्तर पर विरोध हो रहा था। इससे सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी के संसद सदस्य भी खुश नहीं थे और वे सरकार पर इसे वापस लेने का लगातार दबाव डाल रहे थे। प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने एक दिन पहले ही अपनी सरकार की तरफ से घोषित कर कटौती योजना का पुरजोर बचाव करते हुए कहा था कि उनकी सरकार इस योजना पर आगे बढ़ना जारी रखेगी। हालांकि उन्होंने यह माना था कि इस फैसले के पहले थोड़ी जमीन तैयार कर लेनी चाहिए थी। ट्रस की सरकार ने पिछले 23 सितंबर को एक राहत पैकेज की घोषणा की थी जिसमें 45 अरब पौंड की कर कटौतियां भी शामिल थीं। इस घोषणा के बाद न सिर्फ ब्रिटिश बाजार में गिरावट देखी गई बल्कि डॉलर के मुकाबले पौंड की कीमत में भी खासी गिरावट आई है।

5 जी सेवा के लिए मोबाइल फोन को 4जी से 5 जी में करना होगा अपग्रेड

नई दिल्ली ।

देश में 5जी सेवाएं लांच हो गई हैं। देश के 13 शहरों में यूजर्स को 5जी सिग्नल मिलने लगे हैं। अगले कुछ दिनों में देशभर में 5जी सेवा उपलब्ध होगी, लेकिन इसका फायदा उठाने के लिए यूजर्स को उनका 4जी फोन, 5जी में अपग्रेड करना होगा। बिना 5जी स्मार्टफोन के 5जी सेवाओं का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। टेलिकॉम ऑपरेटर्स की ओर से 5जी प्लान्स की जानकारी जल्द शेयर की जाएगी, लेकिन उससे पहले आपको नया फोन खरीदना होगा। अगर आप 5जी कंपैटिबल स्मार्टफोन खरीदना चाहते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। 5जी फोन चुनते वक्त कुछ की-फैक्टर्स का ध्यान रखा जाए तो आपको बेस्ट 5जी परफॉर्मेंस अपने डिवाइस में मिलेगी। स्मार्टफोन में 5जी कनेक्टिविटी के लिए 5जी चिपसेट का होना जरूरी है। ऐसे 5जी चिपसेट में 5जी रिसेप्शन के लिए बिल्ट-इन मॉड्यूल मिलता है। नए 5जी इनेबल्ड चिपसेट्स अब मिडरेंज और फ्लैगशिप सेगमेंट्स दोनों में आ रहे हैं। क्वालकॉम के स्नैपड्रैगन 695 और इसके बाद, स्नैपड्रैगन 765जी और इसके बाद के अलावा स्नैपड्रैगन 865 और इसके बाद वाले सभी चिपसेट्स में 5जी सपोर्ट मिलता है। वहीं, मीडियाटेक पावर्ड फोन्स की बात करें लो-एंड फोन्स के डायमेंसिटी 700 से लेकर हाई-एंड डायमेंसिटी 8100 और डायमेंसिटी 9000 प्रोसेसर्स में 5जी सपोर्ट मिलता है। पुराने जी-सीरीज और हीलियो-सीरीज के चिपसेट 5जी टेक्नोलॉजी को सपोर्ट नहीं करते हैं। फोन का चिपसेट तय करता है कि इसमें 5जी कनेक्टिविटी मिलेगी या नहीं, लेकिन सपोर्टेड बैंड्स नहीं होने की स्थिति में 5जी फोन्स भी नेक्स्ट-जेनरेशन कनेक्शन का पूरा फायदा नहीं देंगे। कई 5जी स्मार्टफोन्स केवल एक या दो 5जी बैंड्स को सपोर्ट करते हैं, इन्हें खरीदने में समझदारी नहीं है। ज्यादा 5जी बैंड्स को सपोर्ट करने वाले डिवाइस खरीदना बेहतर होगा। खरीदने से पहले चेक करें कि फोन किन 5जी बैंड्स को सपोर्ट करता है। ये बैंड्स डिवाइस के प्रोडक्ट पेज पर या वेबसाइट पर स्पेसिफिकेशंस सेक्शन में दिख जाएंगे। अच्छे 5जी कनेक्शन के लिए फोन में 8 से 12 के बीच 5जी बैंड्स होने चाहिए,

जिससे सभी नेटवर्क्स पर 5जी सेवाएं मिलें। कई स्मार्टफोन्स 5जी टेक्नोलॉजी को सपोर्ट तो करते हैं लेकिन स्टैंडअलोन (एसए) नेटवर्क्स के लिए उनके सॉफ्टवेयर में कुछ सीमाएं हो सकती हैं। ऐसे स्मार्टफोन्स में ब्रैंड्स की ओर से अगले कुछ सप्ताह में ओवर द एयर (ओटीए) अपडेट्स देकर तय किया जाएगा कि यूजर्स को बिना किसी परेशानी के 5जी सेवाएं मिल सकें। फोन खरीदने से पहले तय करें कि उसे लंबे वक्त तक सॉफ्टवेयर अपडेट्स मिलते रहेंगे। सॉफ्टवेयर अपडेट्स तय करेंगे कि आपको लंबे समय तक न सिर्फ नए फीचर्स मिलते रहें, बल्कि डिवाइस में मौजूद नेटवर्क कनेक्टिविटी बग्स या फिर खामियों को फिक्स कर दिया जाएगा।

क्रूड आइल का उत्पादन तीन प्रतिशत कम कर सकता है ओपेक प्लस

- कच्चे तेल के दामों में होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल उत्पादक देशों का समूह ओपेक प्लस क्रूड ऑयल के उत्पादन में 3 प्रतिशत या प्रतिदिन 10 लाख बैरल से अधिक की कटौती कर सकता है। ओपेक प्लस समूह के एक प्रतिनिधि ने बताया कि उम्मीद से ज्यादा कटौती इस बात को दर्शाती है कि मौद्रिक नीतियों के सख्त होने के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था तेजी से धीमी हो रही है। डॉलर के मजबूत होने के कारण भी कच्चे तेल की कीमत प्रभावित हुई है। हालांकि तेल के उत्पादन में कटौती पर फैसला मंत्रियों की बैठक के बाद ही लिया जाएगा। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में मंदी की आशंका के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में पिछले कुछ महीनों में बड़ी कमी देखने को मिली है। रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत में कच्चे तेल की कीमत 125 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई थी, लेकिन अब यह घटकर 87 डॉलर के आसपास आ गई है। बता दें कच्चे तेल उत्पादन में कटौती करके सऊदी अरब, रूस और यूएई जैसे देश तेल की कीमत को 100 डॉलर के आसपास रखना चाहते हैं। 23 तेल निर्यातक देशों के समूह की बैठक बुधवार को ओपेक के वियना स्थित मुख्यालय में प्रस्तावित है। ओपेक सचिवालय की ओर से जारी किए गए बयान के मुताबिक, यह ऑनलाइन होने वाली मासिक बैठक है। ओपेक ने 2022 के अंत तक केवल ऑनलाइन बैठक ही करने का फैसला किया है। अगर ओपेक प्लस इस महीने भी कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती का

फैसला करता है, तो यह लगातार दूसरे महीने कच्चे तेल के उत्पादन में की जाने वाली कटौती होगी। पिछले महीने कच्चे तेल के उत्पादन करीब एक लाख बैरल प्रतिदिन की कमी की गई थी।

पिछले चार महीनों में भूसा के दाम 20 फीसदी बढ़े

नई दिल्ली।

देश में हरे चारे और भूसे की कमी से चारे के दाम 9 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं। पिछले चार महीनों में ही भूसा के दाम 20 फीसदी बढ़ चुके हैं। अगस्त 2022 में भूसा का थोक मूल्य 25.54 फीसदी पर पहुंच गया। चारे के साथ ही पशुओं को दी जाने वाली फीड के दाम बढ़ने से पशुपालकों के लिए संकट पैदा हो गया है। वहीं दूध के दाम भूसे और अन्य सामग्री की तुलना में बहुत कम बढ़ा है। इससे पशुपालकों को भारी नुकसान हो रहा है। दक्षिण हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में गेहूं के भूसे का दाम 2,000 रुपए प्रति क्विंटल तक हो गया है। अब बेमौसमी बारिश से बाजरा की फसल को हुए नुकसान से भूसे के दाम और बढ़ने की आशंका है। राजस्थान के अलवर में इस समय गेहूं के भूसे 1,750 से 2,000 रुपए क्विंटल हो गया है। यही हाल हरियाणा के जिलों का है। अलवर के एक पशुपालक का कहना है कि इस बार गेहूं के भूसे और गेहूं का दाम लगभग बराबर हो गया है। गेहूं 2,200 रुपए क्विंटल तो गेहूं का भूसा इस बार 2,000 रुपए क्विंटल हो गया है। हरा चारा भी जहां पहले 200 रुपए क्विंटल था, वहीं अब 800 रुपए क्विंटल तक हो चुका है। इसके साथ ही पशुओं की खिलाई जाने वाली फीड भी महंगी हो गई है। फीड में सरसों और कपास की खल, कई तरह का चोकर और कई तरह के अनाज शामिल होते हैं। सरसों की खल पहले जहां 1,600 रुपए क्विंटल थी, अब 3,000 रुपए क्विंटल हो चुकी है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खेल को बेहतर बनाने में लगी है नवनीत

बेंगलुरु। भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड नवनीत कौर ने कहा है कि वह आगामी पेरिस ओलंपिक को देखते हुए अपने खेल को बेहतर करने पर ध्यान दे रही है। नवनीत के अनुसार अगले साल एशियाई खेल भी होने हैं। इस खिलाड़ी ने कहा कि बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल उनके लिए एक अच्छा अभियान था, क्योंकि उन्होंने 16 साल के बाद कांस्य पदक जीता था। इस फारवर्ड खिलाड़ी ने कहा कि वह आगे बढ़ने वाली टीम में अपने को बड़ी भूमिका निभाते हुए देखना चाहती हैं। नवनीत ने कहा, 'मुझे अपने गेम में सुधार करने की आवश्यकता है, जिससे मैं गेंद को नियंत्रित करने में बेहतर हो सकूं और बदले में खेल की गति को नियंत्रित करने में सक्षम हो सकूं, क्योंकि तब मैं अपनी गति से खेल सकती हूं और हालातों के अनुसार अपने गेम को चला सकती हूं।' राष्ट्रमंडल खेलों के अभियान को लेकर उन्होंने कहा, 'पदक जीतने पर हमें बहुत खुशी हुई है, भले ही हमारी टीम सेमीफाइनल में हार के बाद थोड़ा निराश महसूस कर रही थी। टीम में सभी को कांस्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करते हुए देखना विशेष था।' नवनीत ने यह भी कहा कि टीम बड़े आयोजनों को देखते हुए बेहतर समन्वय और फिनिशिंग पर भी काम कर रही है।

ीसरे टी20 में जीत के साथ ही क्लीन वीप के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

इंदौर ।(एजेंसी)

म इंडिया यहां मंगलवार को होल्कर ड्यम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ : और अंतिम मैच में जीत दर्ज करने के ही बेहतर गेंदबाजी के इरादे से उतरेगी। इंडिया ने यह सीरीज पहले ही 2-0 से । नाम कर ली है। ऐसे में इस मुकाबले केवल औपचारिकता माना जा रहा है। : बाद भी टीम इंडिया के कप्तान रोहित इस मैच में अपनी टीम के गेंदबाजों से ष्ठ प्रदर्शन चाहेंगे। अब तक टीम उम्मीद अनुसार गेंदबाजी नहीं कर पायी है। कर डेथ ओवरों में प्रभावी नहीं होने के । काफी रन गये हैं। आगामी टी20 विश्व को देखते हुए टीम को अपनी गेंदबाजी धार करना होगा। होगा। घरेलू धरती पर हो रही इस सीरीज में भारतीय टीम कुछ अहम खिलाड़ियों को आराम देकर युवाओं को अवसर दे सकती है। ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने वाले टी20 विश्व कप से पहले भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम काफी बेहतर लग रहा है। टीम में हालांकि अधिकतर बल्लेबाज वही हैं जो यूएई में पिछले टूर्नामेंट में शामिल थे पर इस दौरान टीम के रवैये में आये बदलाव से अंतर आया है। अब वह आक्रामक हो गयी है। विश्वकप से पहले टीम के प्रमुख बल्लेबाजों विराट कोहली , लोकेश राहुल और सूर्याकुमार ने लय हासिल कर ली है। राहुल ने दूसरे टी20 में आक्रामक अर्धशतक लगाकर अपने स्ट्राइक रेट को लेकर उठाये जा रहे सवालों पर भी विराम लगा दिया है। एशिया कप से अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने 140 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं और इस दौरान तीन अर्धशतक के अलावा एक शतक भी लगाया है। कप्तान रोहित शर्मा ने भी ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान कुछ शानदार पारियां खेली हैं। वहीं चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सूर्यकुमार यादव भी शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और विरोधी टीम के गेंदबाजों के लिए अब उन्हें रोकना आसान नहीं रहेगा। इस मैच में अगर सूर्यकुमार को आराम दिया जाता है तो श्रेयस अय्यर को उनकी जगह अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को श्रृंखला में अब तक बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला है। वहीं दिनेश कार्तिक को दूसरे टी20 में केवल सात गेंद खेलने को ही मिली और ऐसे में उन्हें बल्लेबाजी में थोड़ा ऊपर खेलने का अवसर मिल सकता है मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने से सही गेंदबाजी संयोजन तय करना होगा जिससे टीम डेथ ओवरों में प्रभावशाली साबित हो। बुमराह की जगह पर मोहम्मद सिराज को खेलने का अवसर मिल सकता है। टी20 विश्व कप के रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल दीपक चाहर नई गेंद से अच्छी गेंदबाजी करते रहे हैं पर पारी के अंतिम ओवरों में उनकी गेंदबाजी कितनी सफल रहती यह अभी तक सामने नहीं आया है। वहीं बांए हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने नई और पुरानी दोनो गेंदों से कसी हुई गेंदबाजी की है पर दूसरे टी20 में वह उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। वहीं वापसी के बाद तेज गेंदबाज हर्षल पटेल में अभी तक पहले वाला पैनापन नहीं दिखा।

कोहली ने दूसरे टी20 मैच में सूर्यकुमार की सनसनीखेज पारी की तारीफ की

(एजेंसी)।

भारत के बल्लेबाज विराट कोहली ने गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 इंटरनेशनल में सूर्यकुमार यादव की मैच जीतने वाली पारी के लिए प्रशंसा की है। सूर्यकुमार ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 22 गेंदों 5 चौकों और इतने ही छक्कों की मदद से 61 रनों की तूफानी पारी खेली थी। मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट। सूर्यकुमार की सनसनीखेज पारी की बदलौत ही भारतीय टीम 237 रन बनाने में कामयाब रही और बाद में टीम ने 16 रन से जीत दर्ज की। सूर्यकुमार की ये पारी सिर्फ फैंस ही नहीं बल्कि कोहली के लिए भी नाभुलने वाली थी। मैच के बाद सूर्यकुमार ने फोटोज शेयर करते हुए 2/2 कैप्शन दिया। इस पर विराट कोहली ने कमेंट करते हुए मनला रे भाऊउ लिखा, इस पर सूर्यकुमार ने रिप्लाई करते हुए कमेंट्स में भाऊ लिखा और आग वाली इमोजी का भी इस्तेमाल किया। गौर हो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे मैच में सूर्यकुमार के अलावा केएल

राहुल और विराट कोहली ने भी महत्वपूर्ण पारियां खेली। इस दौरान केएल राहुल ने जहां 57 रन की पारी खेली थी वहीं कोहली ने 28 गेंदों में 49 रन की शानदार पारी खेली थी। टीम इंडिया अब इंदौर में मंगलवार (4 अक्टूबर) को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरा और अंतिम ञ्20द्ब मैच खेलेगी और क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी। टी20 इंटरनेशनल श्रृंखला के समापन के बाद दोनों पक्ष तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में उतरेंगे। भारत अपनी निरंतरता और दबदबा बनाए रखना चाहेगा क्योंकि टी20 विश्व कप 2022 बस कुछ ही हफ्ते दूर है। वे ऑस्ट्रेलिया में डिलीवरी के लिए सूर्यकुमार पर निर्भर होंगे।

अक्टूबर से शुरु होगा प्रो कबड्डी लीग

म्बई । अगले माह 7 अक्टूबर 2022 से प्रो कबड्डी लीग का नौवां शरू हो रहा है। इस सत्र का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बार टीमों में भी कई बदलाव दिखेंगे। पिछले सत्र में बेंगलुरु बुल्स रफ से खेलने वाले पवन सहरावत इस बार तमिल थलाइवाज़ की से खेलेंगे। टीम ने पवन सहरावत को रिकॉर्ड 2.26 करोड़ में दा है। इस प्रकार सहरावत प्रो कब्बडी लीग इतिहास के सबसे महंगे ाड़ी बन गये हैं। साथ ही वह सत्र 9 में 2 करोड़ से अधिक की त पर बिकने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं। सहरावत के अलावा दूसरे महंगे खिलाड़ी रहे हैं विकास खंडोला हैं जिन्हें बेंगलुरु बुल्स ने) करोड़ रुपए में खरीदा है। उसके बाद गुमान सिंह को मुंबा ने 2 करोड़ रुपए की बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया। ; बाद प्रदीप नरवाल का नाम आता है। नरवाल को यूपी योद्धा ने 90 रुपये में खरीदा है। वहीं सचिन को पटना पाइरेट्स ने 81 लाख में खरीदा है। कब्बडी लीग आने से इस खेल के खिलाड़ियों को भी रकम मिलने लगी है।

(सिलहट) महिला एशिया कप : भारतीय टीम ने मलेशिया को 30 रनों से हराया

सिलहट ।(एजेंसी)

भारतीय टीम ने वर्षा प्रभावित महिला एशिया कप क्रिकेट 2022 के अपने दूसरे मुकाबले में मलेशिया को 30 रनों से हरा दिया। भारतीय टीम ने पहले मैच में श्रीलंका को हराया था। वहीं इस दूसरे मैच में बारिश की बाधा के कारण भारतीय टीम को डीएलएस तकनीक के आधार पर विजेता घोषित किया गया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय महिला क्रिकेटरों ने मलेशिया को 182 रन का कठिन लक्ष्य दिया। भारतीय टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज एस मेघना ने 69 रन बनाये। यह मेघना के करियर का पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक रहा। इस बल्लेबाज ने 53 गेंद में ये 69 रन बनाये जबकि शेफाली वर्मा ने 39 गेंद में 46 रनों की पारी खेलकर अपना फार्म हासिल कर लिया। वहीं मलेशिया की ओर से नूर दानिया सुहादा ने नौ रन देकर जबकि कप्तान विनिफ्रेड दुराइसिंगम ने 36 रन देकर दो-दो विकेट लिए। वहीं इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मलेशिया की शुरूआत अच्छी नहीं रही। टीम की कप्तान विनिफ्रेड दुरईसिंगम खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गयीं। इसके बाद दूसरी बल्लेबाज वान जूलिया भी एक रन बनाकर आउट हो गयीं। इस प्रकार टीम ने शुरुआत में ही दो अहम

विकेट खो दिये। इसके बाद मास एलिसा ने 17 गेंदों पर 14 रन बनाकर टीम को संभालने का प्रयास शुरु किया पर वह नाकाम रहीं।

5.2 ओवर में जब टीम ने दो विकेट पर 16 रन बना लिए थे तब एक बार फिर जोर की बारिश शुरु हो गयी जिसके बाद दोबारा मैच शुरु नहीं हो पाया। ऐसे में भारतीय टीम को विजेता घोषित कर दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

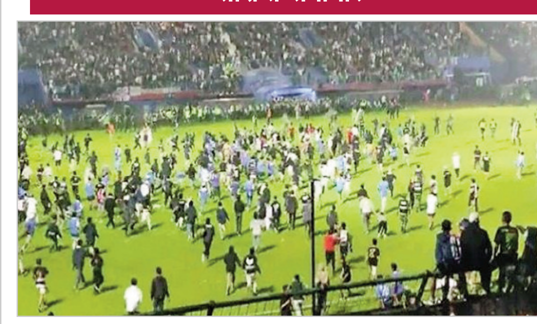

इंडोनेशिया में फुटबॉल के मैदान पर हिंसा में मृतकों की संख्या 174 हुई, 180 से अधिक घायल

जकार्ता: इंडोनेशिया में शनिवार को एक फुटबॉल मैच के दौरान हुई हिंसा में कम से कम 174 लोग मारे गए हैं जबकि अभी तक 180 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। घटना पूर्वी जावा के मलंग रीजेंसी के कंजुरुहान स्टेडियम में हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक अरेमा एफसी और पर्सेबाया सुरबाया के बीच मैच चल रहा था। इस बीच अरेमा की टीम हार गई जिसके बाद अपनी टीम को हारता देख बड़ी संख्या में प्रशंसक मैदान की तरफ भागने लगे। इस दौरान कुछ लोगों ने खिलाड़ियों पर हमला कर दिया। इस घटना से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। जिसमें दिख रहा है कि लोग मैदान पर घुस आए और सुरक्षाकर्मियों पर चीजें फेंकना शुरू कर दिया। साथ ही पुलिस लोगों को काबू करने के लिए लाठीचार्ज कर रही है और आंसू गैस के गोले छोड़ रही है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लोगों की मौतें मारपीट, भगदड़ और दम घुटने से हुई हैं। वहीं स्टेडियम में मारे गए लोगों में दो पुलिस अधिकारी भी हैं। इस घटना में घायल हुए लगभग 180 लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कितने लोग गंभीर रूप से घायल हैं। पूर्वी जावा के पुलिस अधिकारी निको अफिंटा ने मीडिया को बताया कि स्टेडियम के अंदर 34 लोगों की मौत हुई और बाकी की अस्पताल में मौत हुई।

हमारी गेंदबाजी कमजोर रही: बावुमा

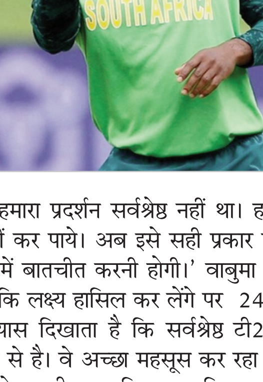

गुवाहाटी । दूसरे टी20 में भी मिली हार से निराश दक्षिण अफ्रीकी कप्तान तेम्बा बावुमा ने इसके लिए अपनी टीम की कमजोर गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया है। बावुमा ने हालांकि तेजी से शतक लगाने वाले अपने बल्लेबाज डेविड मिलर की जमकर तारीफ की और कहाकि इसी कारण उसे इस प्रारुप का सबसे बेहतर बल्लेबाज कहा जाता है। बावुमा ने कहा, 'गेंद के साथ हमारा प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ नहीं था। हम अपनी योजनाओं पर अमल नहीं कर पाये। अब इसे सही प्रकार से लागू करने के लिए हमें आपस में बातचीत करनी होगी।' वाबुमा ने साथ ही कहा, 'हम सोच रहे थे कि लक्ष्य हासिल कर लेंगे पर 240 बहुत ज्यादा था। मिलर का प्रयास दिखाता है कि सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाजों में से एक किस कारण से है। वे अच्छा महसूस कर रहा हैं और आज हम उसके प्रदर्शन से काफी आत्मविश्वास हासिल कर सकते हैं। भारतीय गेंदबाजों ने गेंद को स्विंग कराया और एक बार जब गेंद ने स्विंग करना बंद कर दिया, तो हमने देखा कि बल्लेबाजी करना आसान हो गया था।' इस मैच में मिलर ने 47 गेंद में नाबाद 106 रन बनाये पर इसके बाद भी वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये।

ईरानी ट्रॉफी 2022 : निचले क्रम के संघर्ष ने सौराष्ट्र को संभाला

राजकोट ।(एजेंसी)

ौराष्ट्र ने शेल्डन जैक्सन), अर्पित वसावडा (55), मांकड (72) और जयदेव डकट (78 नाबाद) के शतकों की बदौलत ईरानी । 2022 में शेष भारत के ाफ दूसरी पारी में तीसरे दिन ार को 368 रन बना लिए। । पारी में 276 रन से पिछड़ने ाद सौराष्ट्र ने 92 रन की पूर्ण बढ़त हासिल कर ली है। दिन 38/2 के स्कोर से ात करते हुए सौराष्ट्र ने चिराग (06), धर्मेंद्रसिंह जडेजा) और चेतेश्वर पुजारा (01) के विकेट जल्दी गंवा दिए। इन तीनों बल्लेबाजों को कुलदीप सेन (85/3) ने आउट किया। सौराष्ट्र की आधी टीम 87 रन पर पवेलियन लौटने के बाद शेल्डन और अर्पित ने छठे विकेट के लिए 117 रन की साझेदारी की। शेल्डन ने 204 रन के टीम स्कोर पर आउट होने से पहले 117 गेंदों पर आठ चौकों और तीन छक्कों की बदौलत 71 रन बनाए। अर्पित 11 रन के बाद सौरभ की गेंद पर पगबाधा हो गए। अर्पित ने 127 गेंदों की अपनी पारी में सात चौके और एक छक्का लगाकर 55 रन बनाए। सौराष्ट्र अब भी 61 रन से पिछड़ी हुई थी। इसके बाद कप्तान

उनाडकट और मांकड ने मोर्चा संभालते हुए आठवें विकेट के लिए 144 रन जोड़े, जो सौराष्ट्र के लिए मैच की सबसे बड़ी साझेदारी थी। जयंत यादव की छोटी गेंद पर प्रहार करते हुए मांकड आउट हो गए। उन्होंने 83 गेंदों पर नौ चौकों के साथ 72 रन बनाए, जबकि उनाडकट 116 गेंदों पर आठ चौकों और दो छक्कों के साथ 78 रन बनाकर नाबाद हैं। दिन का खेल खत्म होने तक सौराष्ट्र ने आठ विकेट के नुकसान पर 368 रन बना लिए हैं और उनाडकट के साथ पार्थ भुट छह रन बनाकर विकेट पर मौजूद हैं।

बार्सिलोना क्लब के साथ फ्रेंडली मैच खेलेगी भारत की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम

नई दिल्ली: भारत की अंडर-17 महिला टीम रविवार को स्पेन में एक फ्रेंडली मैच में **WSS**(वुमैन सोकर स्कूल) बार्सिलोना क्लब से भिड़ेगी। 11 अक्टूबर से भुवनेश्वर में शुरू होने वाले फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप से पहले यह उनका अंतिम प्रैक्टिस मैच होगा। हेड कोच थॉमस डेनरबी ने कहा कि हम मैच के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हेड कोच थॉमस डेनरबी ने कहा-हम विश्व कप के करीब पहुंच रहे हैं और हम जानते हैं कि हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की जरूरत है। हर कोई जानता है कि उसे क्या करना चाहिए। गलतियों के लिए कोई जगह नहीं होगी। हम अंडोरा के खिलाफ खराब मौसम के कारण अपना आखिरी गेम नहीं खेल पाए लेकिन इससे टीम को ज्यादा असर नहीं पड़ा। हमें बीच-बीच में गहन प्रशिक्षण के लिए समय मिला। कोच थॉमस ने कहा कि टीम लगभग छह से महीने से एक साथ स्पेन में प्रैक्टिस कर रही है। हम स्पेन में शिविर लगाकर खुश है। हमने स्पेन में तकनीक के साथ-साथ ताकत और कंडीशनिंग का प्रशिक्षण किया । हमनें स्वीडन के खिलाफ एक मैच खेला जो हम 1-3 से हार गए थे और अंडर-17 महिला विश्व कप में प्रवेश करने से पहले यह हमारा आखिरी मैच है। लड़कियां ग्राउंड में अपना सब कुछ देने के लिए तैयार और प्रेरित हैं।

घर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज जीतने वाले पहले कप्तान हैं रोहित

वाहाटी । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहि शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मैच में जीत के साथ ही अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। रोहित अब ऐसे पहले भारतीय कप्तान बन गए जिन्होंने घरेलू धरती पर दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाफ टी20 ज जीती। इससे पहले पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली इसमें विफल रहे थे। साल 2015 में धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम को की टीम के हाथों 0-2 से हार मिली थी जबकि साल 2019 में विराट की कप्तानी में सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही थी। इसके अलावा इसी साल जून में ीरीज भी दक्षिण अफ्रीका से 2-2 से बराबरी पर रही थी। इसमें भारतीय टीम की कप्तानी ऋषभ पंत के पास थी। टीम इंडिया ने दूसरे टी20 राष्ट्रीय मैच में दक्षिण अफ्रीका को 16 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली थी। इस मैच में भारत की से लोकेश राहुल और सूर्यकुमार ने अर्धशतक लगाये। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 237 रन बनाये। इसके बाद डेविड र और क्विंटन डिकॉक के बीच नाबाद 69 रनों की साझेदारी के बाद भी दक्षिण अफ्रीकी टीम तीन विकेट पर 221 रन ही बना पायी।

जरूरत के हिसाब से खेलता हूं', केएल राहुल का आलोचकों को जवाब

गुवाहाटी।(एजेंसी)

ीमे स्ट्राइक रेट के लिए ोचनाओं का सामना कर रहे केएल राहुल ने दक्षिण अफ्रीका खिलाफ गुवाहटी में दूसरे टी20 न आक्रामक अर्धशतक जड़ा। ामी बल्लेबाज राहुल ने 200 के क रेट से अर्धशतकीय पारी के अपने आलोचकों पर वार करते हुए कहा कि वह री की मांग' के अनुसार बाजी करते हैं। राहुल ने दूसरे 20 में आलोचकों को चुप ते हुए 28 गेंद में 57 रन की पारी खेली। गौर हो कि एशिया कप और फिर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तिरुवनंतपुरम में श्रृंखला के पहले मैच में 56 गेंद में 51 रन की पारी के बाद उप कप्तान राहुल के स्ट्राइक रेट को लेकर सवाल उठे थे। राहुल ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा- ज्यादा स्ट्राइक रेट से रन बनाना इस पारी की मांग थी। जब आप पहले बल्लेबाजी कर रहे होते हैं तो आप स्पष्ट रूप से परिस्थितियों का आकलन करने के लिए खुद को कुछ ओवर देना चाहते हैं। यह देखने के लिए कि आप कौन से शॉट खेल सकते हैं। हम हमेशा अधिक आक्रामक होने का प्रयास करते हैं, बहुत सारे जोखिम उठाते हैं। आज मेरे से इसी तरह की पारी की जरूरत थी और मुझे खुशी है कि मैंने यह पारी खेली। राहुल भारतीय तेज गेंदबाजों के बचाव में भी आए जिन्होंने दूसरे टी-20 में एक बार फिर खराब प्रदर्शन किया। भारत ने 237 रन के लक्ष्य का बचाव करते हुए दक्षिण अफ्रीका के 47 रन पर तीन चटका दिए थे, लेकिन भारतीय गेंदबाजी मेजबान टीम के डेविड मिलर और क्विंटन डिकॉक के बीच 174 रन की साझेदारी को तोड़ने में असमर्थ रही। डिकॉक और मिलर दोनों टीम को यादगार जीत के लगभग करीब ले गए थे। राहुल ने तेज गेंदबाजों का बचाव करते हुए कहा की अगर तेज गेंदबाजी इतनी बड़ी चिंता होती तो मुझे नहीं लगता कि हम इतने मैच जीत पाते। आज का दिन उन दिनों में से एक था जब हमारे गेंदबाज 10 में से सात गेंद सही नहीं डाल सकते थे लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि ऐसा होता रहेगा। राहुल ने कहा कि पिछले मैच में उन्होंने विरोधी टीम को 106 रन

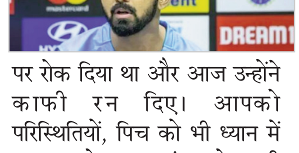

पर रोक दिया था और आज उन्होंने काफी रन दिए। आपको परिस्थितियों, पिच को भी ध्यान में रखना होगा। यहां ओस थी इसलिए गेंदबाजों के लिए गेंद को पकड़ना मुश्किल हो रहा था और जब विरोधी टीम 240 रनों का पीछा कर रही हो तो आप जानते हैं कि बल्लेबाज कड़ा रुख अपनाएंगे और हर गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश करेंगे।

शोएब अख्तर को डर, कहा- पाकिस्तान पहले दौर में टी20 विश्व कप से बाहर ना हो जाए

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने अपनी चिंताओं को दोहराते हुए सोमवार को कहा कि पाकिस्तान आईसीसी टी20 विश्वकप 2022 के पहले दौर में ही बाहर हो सकती है। अख्तर ने अपने यूट्यूब चैनल पर जारी वीडियो में कहा, 'मैंने पहले भी कहा है और फिर कह रहा हूं, मुझे डर है कि यह पाकिस्तान टीम पहले ही राउंड में विश्व कप से बाहर हो सकती है।' उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान का मध्यक्रम अच्छा नहीं है। अगर टीम के सलामी बल्लेबाज प्रदर्शन नहीं करते तो मध्यक्रम दबाव में आ जाता है। अगर आप विश्व कप जीतना चाहते हैं तो यह टूर्नामेंट में जाने का तरीका नहीं है।' रावलपिंडी एक्सप्रेस ने पाकिस्तान के कोच सक़लैन मुश्ताक़ पर निशाना साधते हुए कहा, 'मैंने इसलिये सक़लैन मुश्ताक़ और अन्य की आलोचना करते हुए कहा था कि अपने मध्यक्रम को ठीक करो। वे कुछ कारणों से सुन नहीं रहे। पाकिस्तान को खराब प्रदर्शन करते हुए देखना बहुत निराशाजनक है।' उन्होंने कहा कि यहां से चीजें भयावह लग रही हैं और प्रबंधन के लिए आसान नहीं होंगी। बाबर आज़म और मोहम्मद रिज़वान हर मैच में जीत नहीं दिला सकते। हारिस रउफ ने अच्छा प्रदर्शन किया और दूसरे गेंदबाजों को भी आगे आने की जरूरत है। अख्तर ने मुस्कुराते हुए कहा, 'उम्मीद है वे एक-दो चीजें सीखेंगे। मेरी वीडियो देखेंगे और सुधार करेंगे।' अख्तर का यह बयान इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को पाकिस्तान की 67 रन की हार के बाद आया। इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 210 रन का लक्ष्य दिया था जिसके जवाब में बाबर की टीम 142 रन ही बना सकी। इसी के साथ 17 साल बाद पाकिस्तान आई इंग्लैंड ने सात मैचों की श्रृंखला 4-3 से जीत ली।

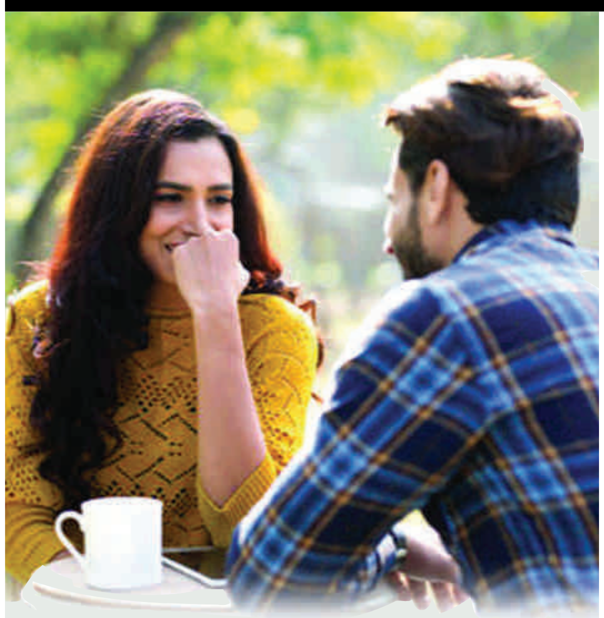

शादीशुदा जिंदगी में इन बातों को करें फॉलो

लड़ाई-झगड़ा, प्यार-मोहब्बत, हर रिश्ते में होना लाजमी है। लेकिन अगर ये झगड़ा बहुत ज्यादा होने लगे तो ये अच्छा नहीं होता क्योंकि इससे रिश्ते टूट सकते हैं। किसी भी रिश्ते में लड़ाई होना बेहद खराब है, हां हल्की-फुल्की नोक झोंक तो हर घर में होती है, पर जब ये ज्यादा होने लगे तो खतरे की घंटी साबित हो सकती है। अगर आपके रिश्ते में ऐसा कुछ हो रहा है तो आप कुछ टिप्स फॉलो कर सकते हैं। आइए, जानते हैं-

विश करें

तो क्या हुआ कि आपकी शादी को कई साल हो चुके हैं, प्यार को बरकरार रखने के लिए आपको हर चीज करनी चाहिए। भले ही आप दोनों के उठने का समय अलग है लेकिन आप दोनों को सुबह एक दूसरे को गुड मॉर्निंग विश करना चाहिए। साथ ही रात में सोने पर भी आपको गुड नाइट विश करके सोना चाहिए। ये एक अच्छी आदत होने के साथ-साथ आपके रिश्ते को जीवित रखने में मदद करता है।

फूल

फूल किसे पसंद नहीं होते, इन दिनों फेस्टिव सीजन है तो यकीनन आपकी वाइफ भी रोजाना अच्छे से तैयार होती होंगी। ऐसे में उनको आप फूल दे सकते हैं। वह इसे अपने बालों में लगा सकती है और ये सच में काफी रोमांटिक होगा।

तारीफ

एक दूसरे की तारीफ करें। आप अपने पार्टनर की किसी फोटो या फिर वो दिन भर कैसी लग रही थी इस बात की तारिफ करें। रोजाना आप दोनों मेहनत करते हैं तो ऐसे में एक दूसरे के काम की तारीफ भी कर सकते हैं।

हाई हील पहनने की हैं शौकीन, पूरे दिन पहनकर रखने के लिए अजमाएं ये हैक्स

हील्स पहनना अधिकतर महिलाओं को पसंद होता है। हील्स पहनने के लिए किसी भी परफेक्ट आउटफिट पहनने की जरूरत नहीं होती, बल्कि किसी भी लुक को परफेक्ट बनाने के लिए आप हील्स पहन सकते हैं। हील्स की एक खासियत यह भी है कि यह पैरों को ज्यादा लंबा दिखाते हैं, जिससे आपका लुक और भी ज्यादा अट्रैक्टिव लगता है। हाई हील्स के साथ एक समस्या यह होती है कि यह बहुत ज्यादा देर तक आपको कंफर्टेबल महसूस नहीं करवाते हैं। इसलिए अगर आप ऑफिस में या फिर किसी मैरिज फंक्शन आदि में पहन रही हैं तो हो सकता है कि आपको पैरों में दर्द का एहसास होने लगे। तो जानते हैं हाई हील्स से जुड़े कुछ हैक्स के बारे में।

हैक 1

डबल टेप का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे आप तलवे से चिपका दें। यह ट्रिक आपके फुटवियर को पैरों पर ज्यादा आरामदायक तरीके से रखेगी। साथ ही इसके कारण होने वाले फफोले और पैर की उंगलियों में दर्द काफी हद तक कम हो जाएगा।

हैक 2

हील्स में आप इनसोल्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये सिलिकॉन या कपड़े से बने होते हैं। यह आपके पैरों को हाई हील्स में आगे बढ़ने से रोकते हैं, साथ ही आरामदायक भी होते हैं।

हैक 3

पार्टी में अक्सर हील्स उतारने का मन करता है, लेकिन आप ऐसा करने से बचें क्योंकि जब आप हील्स उतारते हैं तो उस पल तो आपको राहत मिल जाती है लेकिन कई बार ऐसा करते ही पैरों में सूजन आ जाती है और फिर जब आप हील्स दोबारा पहनती हैं तो पैरों में ज्यादा दर्द होता है।

हर लड़की को सीखनी चाहिए ये चीजें

घर की जिम्मेदारियों से लेकर बाहर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक में लड़कियों ने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए एक खास जगह बनाई है।

यूं तो आज लड़कियां लड़कों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। घर की जिम्मेदारियों से लेकर बाहर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक में, उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए एक खास जगह बनाई है। बावजूद इसके आज जानते हैं वो 5 चीजें जिन्हें होम मेकर हो या कोई प्रोफेशनल लड़की, जरूर सीखना चाहिए।

अकाउंट्स मेनटेन रखना

घर संभालना हो या फिर बाहर रहकर नौकरी करते हुए अपने खर्चों को करना हो मैनेज, लड़कियों को अपने फाइनेंशियल डिसीजन खुद लेने आने चाहिए। इसके लिए उन्हें सबसे पहले अपना अकाउंट्स मेंटेन करना जरूर आना चाहिए। आप ऐसा करते हुए आप अपने खर्चों पर भी खुद नजर रख पाएंगी। इसके अलावा लड़कियों को समय पर टैक्स रिटर्न भरना भी जरूर सीखना चाहिए। अपने रिटायरमेंट प्लान से लेकर सेविंग्स तक की प्लानिंग के लिए अपने पैसे को समझदारी से इन्वेस्ट करें।

साइन करने से पहले हर कागज को अच्छे से पढ़ें

ज्यादातर लोग अक्सर किसी डॉक्यूमेंट या कागज को बिना पढ़े ही साइन कर देते हैं। आपकी ये आदत आपको भविष्य में नुकसान पहुंचा सकती है। लड़कियों का मन कोमल होता है। आपका किसी पर विश्वास करना उचित है बावजूद इसके आपको समझदारी से काम लेना भी आना चाहिए। ऐसे में कभी भी किसी भी लीगल या जरूरी डॉक्यूमेंट्स पर साइन करने से पहले उसे जरूर अच्छे से पढ़ें।

बेसिक सेल्फ डिफेंस स्किल्स

वक्त चाहे कोई भी क्यों न हो, आप अपनी किस्मत को आजमाने के लिए रात या दिन का इंतजार थोड़े ही करेंगे। रात हो या दिन, आपको अपनी सुरक्षा के लिए बेसिक सेल्फ डिफेंस मूव्स जरूर आने चाहिए ताकि आप मौका पड़ने पर किसी भी जगह सुरक्षित रह सकें। आप इसके लिए वीकेंड पर सेल्फ डिफेंस कोर्स कर सकती हैं।

सिग्नेचर डिश

हर व्यक्ति अपनी किसी न किसी खासियत की वजह से लोगों के बीच पहचाना जाता है। ऐसे में आप भी अपनी किसी सिग्नेचर डिश की वजह से लोगों के बीच फेमस हो सकते हैं। जब आप डिनर या पार्टी के लिए लोगों या दोस्तों को अपने घर बुला रही हैं तो मेन्यू में आपकी एक सिग्नेचर डिश तो होनी ही चाहिए जिसका स्वाद वो सालों-साल याद रखें।

कार का टायर बदलना

अक्सर लोगों को लगता है कि गाड़ी का टायर बदलने का काम सिर्फ लड़के ही अच्छा कर सकते हैं। लेकिन अगर आप भी ड्राइव करती हैं तो यह काम आपको भी जरूर सीखना चाहिए वरना आप कभी भी मुश्किल में पड़ सकती हैं।

डेटिंग प्रोफाइल के लिए फोटो चूज करने में इन टिप्स की लें मदद

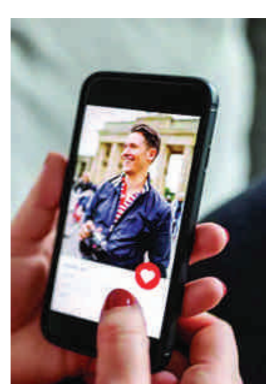

ऑनलाइन डेटिंग करना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में जब आप ऑनलाइन प्रोफाइल को सेट करते हैं तो आप पूरी तरह से सभी कुछ बेस्ट करने की कोशिश करते हैं। जिसे देख आसानी से कोई भी इंप्रेस हो जाए। हालांकि आपको इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि आपके प्रोफाइल का बायो पूरी तरह से आपको डिस्क्राइब करना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तभी आप ज्यादा से ज्यादा मैच पा सकते हैं। इन सभी के साथ ये भी जरूरी है कि आप एक सही प्रोफाइल फोटो चूज करें। ऐसे में आप जब भी डेटिंग प्रोफाइल फोटो चूज करें तो कुछ बातों को ध्यान में रखें। तो चलिए जानते हैं कुछ टिप्स के बारे में जिनकी मदद से आप अपनी प्रोफाइल फोटो सेट कर सकत हैं।

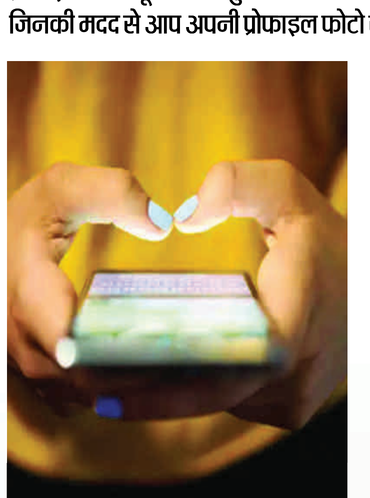

टिप 1

ऐसी फोटो चूज न करें जिसमें आपका चेहरा क्लीयर न हो, या फिर आपका चेहरा दिख ही न रहा हो। ये फोटो अच्छा ऑप्शन नहीं होगा क्योंकि सामने वाले को आपकी फोटो ही नहीं दिखेगी। ऐसी फोटो चुने जिसमें आप पूरी तरह से दिख रहे हों।

टिप 2

कई बार लोग डेटिंग एप पर ग्रुप फोटो लगाते हैं, ऐसे में सामने वाले को ये कंफ्यूजन हो सकता है कि प्रोफाइल किसकी है। तो ध्यान रखें की फोटो सिर्फ आपकी हो न की ग्रुप फोटो हो।

टिप 3

ऑनलाइन डेटिंग एप पर अगर आप फोटो स्लेक्ट कर रहे हैं तो ऐसी फोटो लगाएं जो आपको डिस्क्राइब करे। अगर आपको कैंपिंग पसंद है तो आप कैंपिंग की फोटो लगा सकते हैं या फिर अगर आपको बुक्स पढ़ना पसंद है तो किसी लाइब्रेरी की फोटो लगा सकते हैं।

टिप 4

एक ऐसी फोटो लगाएं जिसमें आप कॉन्फिडेंट नजर आ रहे हैं। कई बार लोग अपने कपड़ों के साथ कॉन्फिडेंट नहीं होते हैं फिर भी उन कपड़ों में वह प्रोफाइल फोटो लगा सकते हैं।

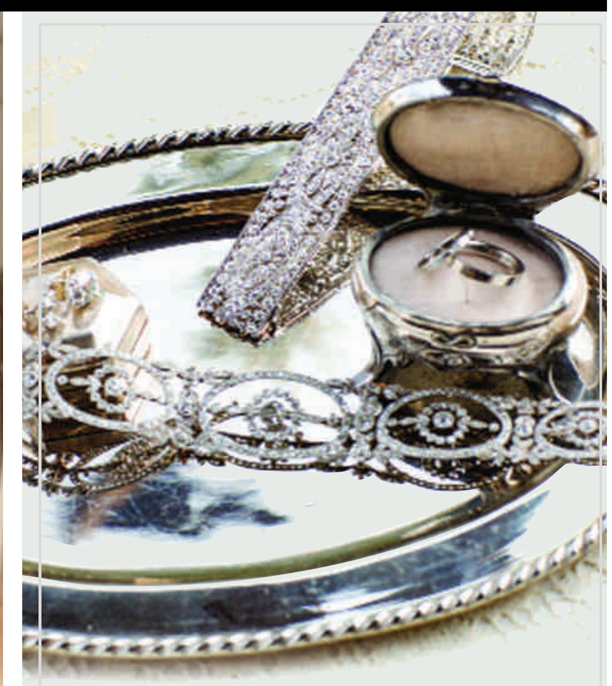

कहीं आपकी चांदी की ज्वेलरी नकली तो नहीं है? ऐसे जानें

सोना और प्लेटिनम की तरह ही चांदी भी एक लोकप्रिय धातु है। आमतौर पर लोग सोने और चांदी के गहने पहनना पसंद करते हैं और वास्तव में चांदी के गहने दिखने में खूबसूरत भी लगते हैं। जब बात चांदी के गहनों को आती है तो लोग मुख्य रूप से इसकी पायल और बिछिया पहनते हैं। चांदी एक कीमती धातु है जो बहुतायत में पाई जाती है और इसका उपयोग गहनों के अलावा पूजा के सिक्के, सजावटी सामान, मूर्तियां और अन्य टिकाऊ वस्तुएं जैसे बर्तन बनाने के लिए भी किया जाता है।

यह एक नरम धातु है और यदि आप अपनी चांदी से बनी चीजों की उचित देखभाल करते हैं, तो यह लंबे समय तक नए जैसी बनी रहती हैं। चाहे आप चांदी के झुमके की एक जोड़ी खरीदें या स्टर्लिंग चांदी से बनी चांदी की अंगूठी और पायल, यदि आप इसकी अच्छी देखभाल करेंगी तो या सालों साल नयी जैसी बनी रहेंगी। लेकिन देखभाल के साथ आपके लिए इन्हें खरीदते समय इस बात का ध्यान रखना भी जरूरी है कि आप जो चांदी खरीद रही हैं वो असली और शुद्ध है या नहीं। वास्तव में यदि आप नकली चांदी खरीदेंगी के बाद भी ये जल्दी ही खराब होने लगती है। आइए जानें कि आप किन युक्तियों से इस बात का पता आसानी से लगा सकती हैं कि आपकी चांदी असली है या नहीं।

लेबल की जांच करें

चांदी की वस्तु असली है या नकली यह जांचने के लिए आभूषण पर लेबल की जांच करना। यदि उस पर एक छोटा लेबिल है जिसमें स्टर' या 'स्टर्लिंग' प्रिंट है, तो इसका मतलब है कि वस्तु

चांदी या चांदी चढ़ाया हुआ। जब भी चांदी की वस्तुओं को अंतरराष्ट्रीय या घरेलू स्तर पर बेचा जाता है, तो एक हॉलमार्क ट्रेड स्टैम्प होता है जो धातु को प्रमाणित करता है। किसी दुकान से चांदी की वस्तु खरीदने से पहले, हमेशा 'स्टर्लिंग' के मानक स्टैंप की जांच जरूर करें।

मैग्नेट टेस्ट

मैग्नेट का उपयोग करके यह जांचने का एक और अच्छा तरीका है कि आपने जो चांदी खरीदी है वह असली है या नकली। यदि आपके घर में कोई भी चुम्बक पड़ा हुआ है, तो आप इसका उपयोग

प्रदर्शित करती है। इसके लिए एक मैग्नेट का प्रयोग करें और उसे चांदी की वस्तु के करीब लाएं जिसे आप जांचना चाहते हैं और देखें कि क्या यह मैग्नेट से मजबूती से चिपकती है। यदि ऐसा है तो समझ लें कि ये असली चांदी नहीं है।(मोतियों की ज्वेलरी की ऐसे करें केयर)

आइस क्यूब टेस्ट

चांदी के शुद्ध होने या न होने की जांच करने का एक और आसान तरीका बर्फ के टुकड़े का उपयोग करना है। यह विधि चांदी के सिक्कों और अन्य चांदी की वस्तुओं के सपाट सतहों के परीक्षण के लिए आदर्श है। चांदी के सिक्के या गहनों पर आइस क्यूब रखें। यदि आइस क्यूब जल्दी पिघलती है, तो आपके पास जो चांदी की वस्तु है वह असली है। दरअसल चांदी में किसी सामान्य धातु की तुलना में अत्यधिक मात्रा में थर्मल कंडक्टिविटी होती है जो बर्फ को तुरंत पिघला देती है।

वजन परीक्षण

चांदी अधिकांश धातुओं की तुलना में ज्यादा हैवी होती है। इस धातु के वजन में एक विशिष्ट व्यास और मोटाई होती है। यदि चांदी का वजन कम होता है, तो यह स्टर्लिंग चांदी के बजाय हल्के चांदी के मिश्र धातुओं से बनी हो सकती है। यदि इसका वजन अधिक है, तो

आमतौर पर चांदी की परत वाली वस्तुओं की तुलना में ठंडी होती है और चमकदार होती है।

ब्लीच टेस्ट

चांदी की धातु की प्रामाणिकता की जांच के लिए ब्लीच का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस चांदी की वस्तु पर ब्लीच की एक बूंद डालें। ब्लीच जैसे ऑक्सीडाइजिंग केमिकल के संपर्क में आने के बाद अगर यह धूमिल हो जाए तो यह असली चांदी है। ब्लीच के संपर्क में आने पर असली चांदी तुरंत काली हो जाएगी जबकि नकली धातु पर ब्लीच का कोई असर नहीं होता है। लेकिन

हिस्से में ही ब्लीच डालें।

इन सभी युक्तियों से आप अपनी चांदी के गहनों की जांच कर सकते हैं और ये पता लगा सकते हैं कि चांदी असली है या नकली।

ताइवान की घेराबंदी में लगा चीन, कार ले जाने वाले जहाजों से सैनिकों को भेज रहा मोर्चे पर

ताइपे । ताइवान को लेकर चीन के तेवर काफी आक्रमक होते जा रहे हैं। अमेरिकी स्पीकर नैंसी पेलोसी के ताइवान यात्रा पर जाने के बाद से चीन, ताइवान की घेराबंदी करने में पूरी तरह से जुट गया है। अपने सबसे बड़े सैन्य अभ्यास के जरिए वह ताइवान में आक्रमण करने की तैयारी में है। इस महीने की शुरुआत में ताइवान जलडमरूमध्य में चीनी समुद्र तटों पर सात चीनी सिविलियन शिप को देखा गया है। ताइवान की मीडिया रिपोर्ट के हवाले से खबर है कि चीनी सेना डोंगशा द्वीप पर आक्रमण करने की तैयारी कर सकते हैं। रक्षा विश्लेषक टॉम शुगार्ट ने सात एम्फिबियश शिप को हमले का अभ्यास करते हुए देखा है। शुगार्ट के अनुसार, चीन अपनी सैन्य अभ्यास के लिए बड़े-बड़े कार फेरी का इस्तेमाल कर रहा है। बता दें कि कार फेरी का इस्तेमाल, कारों या दूसरी गाड़ियों को ढोने के लिए किया जाता है ताकि आसानी से एक द्वीप से दूसरे द्वीप तक बड़ी गाड़ियों को पहुंचाया जा सके। यह अमेरिकी एम्फीबियस युद्धपोत (एलपीडी-17) से लगभग तीन गुना बड़ा है जिसमें चीन के भारी मात्रा में सैनिक भरे हैं। रक्षा विश्लेषक टॉम शुगार्ट ने बताया कि यदि हमला हुआ तो चीन के लिए ताइवान का डोंगशा द्वीप संभावित लक्ष्य होगा। 2020 में, शुगार्ट ने चेतावनी दी थी कि पीएलए अभ्यास से डोंगशा द्वीप को खतरा हो सकता है इसलिए उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें पीएलए बलों का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि यह डोंगशा द्वीप को हड़प कर ताइवान को शर्मिंदा कर सकते हैं, ऐसे में ताइवान का एक महत्वपूर्ण स्थान चीन के पास चला जाएगा। मालूम हो कि अमेरिकी हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी के दौरे के बाद से चीन ने ताइवान स्ट्रेट में अपनी हरकतें तेज कर दी हैं। चीनी मीडिया के मुताबिक ताइवान क्षेत्र के रक्षा प्राधिकरण द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, 26 अगस्त को द्वीप के चारों ओर आठ पीएलए नौसेना के जहाजों और 35 विमानों का पता लगाया गया था, जिनमें से 18 विमान ताइवान जलडमरूमध्य और द्वीप के वायु रक्षा क्षेत्र में देखा गया था।

पाकिस्तान में बाढ़ प्रभावित 57 लाख लोगों को खाद्य संकट का सामना करना पड़ेगा : संयुक्त राष्ट्र

इस्लामाबाद। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता एजेंसी ने आगाह किया है कि पाकिस्तान में बाढ़ से प्रभावित लगभग 57 लाख लोगों को अगले तीन महीनों में गंभीर खाद्य संकट का सामना करना होगा। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया है कि देश में असमान्य रूप से हुई भारी मानसूनी बारिश के कारण आई बाढ़ के चलते अब तक 1,695 लोगों की जान जा चुकी है। प्राधिकरण के अनुसार बाढ़ से 3.3 करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं, 20 लाख से ज्यादा घर नष्ट हो गए हैं और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने शनिवार को जारी अपनी हालिया रिपोर्ट में कहा कि मौजूदा बाढ़ से पाकिस्तान में खाद्य असुरक्षा के और गहराने की आशंका है और सितंबर से नवंबर महीने के बीच बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगभग 57 लाख लोगों को गंभीर खाद्य संकट का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, इस विनाशकारी बाढ़ से पहले भी पाकिस्तान की लगभग 16 फीसदी आबादी मध्यम या गंभीर स्तर की खाद्य असुरक्षा का सामना कर रही थी। वहीं, पाकिस्तान सरकार ने जोर देकर कहा है कि खाद्य आपूर्ति को लेकर तत्काल चिंता करने वाली कोई बात नहीं है, क्योंकि देश के पास अगले कटाई सत्र तक के लिए गेहूं का पर्याप्त भंडार है और सरकार अतिरिक्त गेहूं का आयात भी कर रही है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने सोमवार को एक ट्वीट में कहा कि एजेंसी और अन्य सहयोगियों ने बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद तेज कर दी है और 16 लाख लोगों तक सहायता पहुंचाई जा चुकी है। एजेंसी ने कहा कि सिंध और दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में जलजनित बीमारियों और अन्य रोगों का प्रकोप बढ़ रहा है। ये दोनों प्रांत पाकिस्तान में मध्य जून में आई बाढ़ से सर्वाधिक प्रभावित प्रांत हैं। कई देशों और संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न एजेंसियों द्वारा बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए भेजी गई राहत सामग्री लेकर अब तक 131 विमान पाकिस्तान पहुंच चुके हैं, लेकिन बड़ी संख्या में लोगों ने शिकायत की है कि या तो उन्हें बहुत कम सहायता मिली है या फिर वे अब भी मदद का इंतजार कर रहे हैं।

स्वीडिश वैज्ञानिक स्वैंते पैबो को मिला चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार, मानव के क्रमिक विकास पर शोध के लिए सम्मान

स्टाकहोम। चिकित्सा के क्षेत्र में इस वर्ष का नोबेल पुरस्कार 'मानव के क्रमिक विकास' पर खोज के लिए स्वीडिश वैज्ञानिक स्वैंते पैबो को देने की घोषणा की गई है। नोबेल कमेटी के सचिव थॉमस पर्लमैन ने स्टाकहोम,स्वीडन के कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट में सोमवार को इस पुरस्कार के विजेता की घोषणा की। पैबो ने आधुनिक मानव और हमारी करीबी विलुप्तप्राय प्रजाति निएंडरथल और डेनिसोवंस के 'जीनोम' की तुलना के लिए शोध का नेतृत्व किया। शोध के जरिए यह प्रदर्शित किया कि इन प्रजातियों के बीच मिश्रण है। चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार के साथ ही नोबेल पुरस्कारों की घोषणा की शुरूआत हो गई है।

मंगलवार को भौतिकी विज्ञान, बुधवार को रसायन विज्ञान और बृहस्पतिवार को साहित्य के क्षेत्र में इन पुरस्कारों की घोषणा की जाएगी। इस वर्ष (2022) के नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को और अर्थशास्त्र के क्षेत्र में पुरस्कार की घोषणा 10 अक्टूबर को की जाएगी। पुरस्कार के रूप में विजेता को करीब एक करोड़ स्वीडिश क्रोना (करीब 9,00,000 डॉलर) दिया जाएगा।

नाटो के नौ सदस्य देशों ने यूक्रेन को बढ़-चढ़कर सैन्य मदद देने की अपील की

उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के नौ यूरोपीय सदस्य देशों ने रविवार को संयुक्त बयान जारी कर यूक्रेन को सदस्यता देने का समर्थन किया। उन्होंने सभी 30 सदस्य देशों से बढ़-चढ़कर यूक्रेन की सैन्य मदद करने की भी अपील की। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने देश को तत्काल नाटो की सदस्यता देने का अनुरोध किया था। उन्होंने यूक्रेन के चार क्षेत्रों को रूस में मिलाए जाने के बाद यह मांग की। नाटो की सदस्यता के लिए सभी 30 देशों की मंजूरी मिलनी आवश्यक है और यूक्रेन को जल्द ही संगठन की सदस्यता मिलने की संभावना नहीं है। मध्य और पूर्वी यूरोप के नौ देशों को डर है कि यूक्रेन के बाद रूस उन्हें अपना निशाना बना सकता है। उन्होंने यूक्रेन के क्षेत्रों को रूस में मिलाए जाने का जवाब देने का अनुरोध किया है। चेक गणराज्य, एस्टोनिया, लातविया, उत्तरी मकदूनिया, मॉन्टेनीग्रो, पोलैंड, रोमानिया और स्लोवाकिया के नेताओं ने रविवार को अपनी-अपनी वेबसाइट पर एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया है, 'हम रूस के आक्रमण के खिलाफ यूक्रेन के बचाव में उसका समर्थन करते हैं। मांग करते हैं (कि रूस) सभी कब्जे वाले क्षेत्रों से तुरंत वापस करे। सभी सदस्य देश बढ़-चढ़कर यूक्रेन की सैन्य मदद करें।' बयान में कहा गया है कि नेता 'भविष्य में यूक्रेन को सदस्यता देने से संबंधित 2008 के बुखारेस्ट नाटो शिखर सम्मेलन के फैसले का पुरजोर समर्थन करते हैं।

ब्रिटेन में नये उच्चायुक्त के नेतृत्व में मनायी गयी गांधी जयंती

लंदन। ब्रिटेन में भारत के नये उच्चायुक्त विक्रम दुरैस्वामी ने रविवार को यहां महात्मा गांधी की 153 वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि लंदन एक ऐसा स्थान है जहां शांति एवं अहिंसा के दूत के रूप में गांधी जी की ''गाथा शुरू'' हुई। इस कार्यक्रम में प्रवासी भारतीय, सांसद तथा समुदाय के नेता यहां तविस्टॉक चौराहे पर महात्मा गांधी की ऐतिहासिक प्रतिमा के पास उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उच्चायुक्त ने कहा कि दो अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस' के रूप में मनाना बापू के संदेश के चिरस्थायी सार्वभौमिक संदेश होने एवं उनकी धरोहर का प्रमाण है। उन्होंने कहा , ''मेरा जीवन ही मेरा संदेश है, इन्हीं कुछ शब्दों में उनके (गांधी) बौद्धिक संदेश की झलक मिलती है। उनका जीवन ऐसा था जो सादगी से परिपूर्ण था...उनके संदेशों में ऐसा विवेक और मूल्य थे जो सार्वभौमिक हैं।'' उच्चायुक्त ने कहा, ''ब्रिटेन में महात्मा गांधी ने गुजरात के पोरबंदर के युवा वकील के रूप में अपनी शुरुआत की थी। वह यहां छात्र के रूप में थे और सत्य के साथ उनके कई जटिल प्रयोग, जिनका उन्होंने अपने आत्मकथा में बाद में उल्लेख किया, लंदन में ही शुरू हुए .... उनकी गाथा यहीं शुरू हुई।'' लंदन में भारतीय उच्चायोग द्वारा आयोजित गांधी जयंती कार्यक्रम में इंडिया लीग ने सहयोग किया जिसकी जड़ें स्वतंत्रता आंदोलन तक फैली हैं। श्रद्धांजलि देने के साथ यह कार्यक्रम शुरू हुआ और उसके बाद गांधी जी के प्रिय भजन 'वैष्णव जन' और 'रघुपति राघव राजाराम' बजाये गये।

ईस्ट जावा में एरीमा फुटबॉल क्लब के समर्थक स्टेडियम के सामने प्रदर्शन करते हुए।

कोरोना की तरह महामारी का रूप ले सकता है अफ्रीकी बंदरों में पाया जाने वाला वायरस

वॉशिंगटन । कोरोना वायरस महामारी ने दिखा दिया है कि एक वायरस किस तरह पूरी दुनिया की रफ्तार पर रोक सकता है। वैज्ञानिकों ने एक वायरस का पता लगाया है जो कोरोना की ही तरह महामारी बन सकता है। यह वायरस अफ्रीकी बंदरों में पाया गया है। इस वायरस का नाम सिमियन हेमोरेजिक फीवर वायरस (एसएचएफवी) है। इस वायरस से इबोला की तरह लक्षण देखने को मिलते हैं। यह वायरस आंतरिक रक्तस्राव पैदा करता है। यह इम्युन सिस्टम को पूरी तरह हाईजैक कर लेता है। अमेरिकी शोधकर्ताओं के मुताबिक मनुष्यों में अभी तक इस वायरस का कोई मामला नहीं देखा गया है, लेकिन यह इंसानों में तेजी से फैल सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर दुनिया इसका परीक्षण विकसित कर ले और वायरस की निगरानी करे तो संभावित रूप से एक महामारी से बचा जा सकता है। कोलोराडो यूनिवर्सिटी बोल्डर के विशेषज्ञ का कहना है कि ये एक चेतावनी वाली स्थिति है। लैब में किए एक अध्ययन में पाया गया कि वायरस आसानी से मानव रिसेप्टर तक पहुंचने की क्षमता रखता है और किसी भी इंसान के शरीर में अपनी आबादी बढ़ा सकता है। इस अध्ययन की वरिष्ठ लेखक डा. सारा सॉयर ने कहा इस वारस ने मानव कोशिकाओं तक पहुंचने, खुद की आबादी बढ़ाने और कुछ महत्वपूर्ण प्रतिरक्षा तंत्र जो हमें पशुओं से आने वाले वायरस से बचाता है उनसे बचने का तरीका खोज लिया है। यह दुर्लभ है और हमें इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

पुतिन के कदमों से तेल और गैस बाजार और प्रभावित हो सकता है

कीव (एजेंसी)।

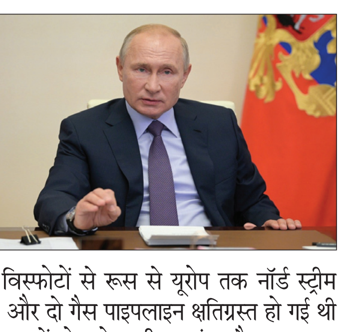

यूक्रेन की सेना का खारकीव में मुकाबला करने के लिए 300,000 आरक्षित बलों को तैनात करने के रूस के प्रयास ने सैन्य एवं राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान आकर्षित किया है। हालांकि इसमें एक संभावित ऊर्जा कोण भी है। रूस और यूरोप के बीच ऊर्जा संघर्ष बढ़ रहा है और सर्दियों के करीब आने के साथ ही इसके और बढ़ने की आशंका है। कोई यह मान सकता है कि ऊर्जा कार्यकर्ता, जो ईंधन और निर्यात राजस्व प्रदान करते हैं, जिसकी रूस को सख्त जरूरत है, युद्ध के प्रयास के लिए बहुत मूल्यवान हैं।

अब तक, बैंकिंग और सूचना प्रौद्योगिकी कर्मचारियों को अपनी नौकरी में बने रहने के लिए आधिकारिक अनुमति मिली है। तेल और गैस श्रमिकों के लिए स्थिति स्पष्ट नहीं है। रूसी मीडिया में इसको लेकर अटकलें चल रही हैं कि क्या इस क्षेत्र के लोगों को युद्ध के वास्ते तैनाती के लिए लक्षित किया जाएगा या नहीं। किसी भी तरह से, मुझे आशंका है कि युद्ध के अगले चरण तक रूस का तेल और गैस संचालन क्षेत्र अस्थिर होगा। सितंबर 2022 में हुए विस्फोटों से रूस से यूरोप तक नॉर्ड स्ट्रीम एक और दो गैस पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी और इसमें तोड़फोड़ की आशंका है।

यह घटना इस जटिल और अस्थिर क्षेत्र में नवीनतम घटना हैं। वैश्विक ऊर्जा नीति के एक विश्लेषक के रूप में, मुझे उम्मीद है कि ऊर्जा आपूर्ति में और व्यवधान हो सकते हैं। इसमें क्रेमलिन द्वारा यूरोपीय सरकारों पर आर्थिक दबाव बढ़ाने के लिए सीधे आदेश के जरिये या नये तोड़फोड़ के परिणामस्वरूप, या विशेष उपकरणों और प्रशिक्षित रूसी जनशक्ति की कमी की वजह से दुर्घटनाएं या व्यवधान हो सकता है। रूस ने उन यूरोपीय देशों पर दबाव बनाने के प्रयास में यूरोप में प्राकृतिक गैस की खेप को काफी कम कर दिया है, जो यूक्रेन का पक्ष ले रहे हैं।

मई 2022 में, सरकार के स्वामित्व वाली ऊर्जा कंपनी गैजप्रोम ने एक प्रमुख पाइपलाइन को बंद कर दिया, जो बेलारूस और पोलैंड से होकर गुजरती है। जून में, कंपनी ने नॉर्ड स्ट्रीम एक पाइपलाइन के माध्यम से जर्मनी को आपूर्ति कम कर दी। इसकी क्षमता 17 करोड़ घनमीटर प्रति दिन थी, जिसे घटाकर मात्र चार करोड़ घनमीटर प्रति दिन कर दिया गया। कुछ महीने बाद, गैजप्रोम ने घोषणा की कि नॉर्ड स्ट्रीम एक को मरम्मत की आवश्यकता है और इसे पूरी तरह से बंद कर दिया।

अब अमेरिका और यूरोपीय नेताओं का आरोप है कि रूस ने यूरोपीय ऊर्जा आपूर्ति को और बाधित करने के लिए जानबूझकर पाइपलाइन को नुकसान पहुंचाया है। पाइपलाइन विस्फोट ऐसे समय हुआ, जब नॉर्वे से पोलैंड तक एक प्रमुख नयी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन की शुरुआत की गई। रूस के पास बहुत सीमित वैकल्पिक निर्यात अवसंरचना है, जो साइबेरियाई प्राकृतिक गैस को चीन जैसे अन्य ग्राहकों को स्थानांतरित कर सकती है, इसलिए अधिकांश गैस जो आमतौर पर यूरोप को बेची जाती है, उसे अन्य बाजारों में स्थानांतरित नहीं किया जा सकता।

कनाडा के अधिकारियों ने ब्रैम्पटन शहर में श्री भगवद गीता पार्क में तोड़फोड़ से इनकार किया

कोरिया।(एजेंसी)।

टोरंटो। कनाडा के अधिकारियों ने ब्रैम्पटन शहर में हाल में उद्घाटित किए गए 'श्री भगवद गीता' पार्क में तोड़फोड़ की घटना से इनकार किया है और स्पष्ट किया है कि कथित खाली जगह को मरम्मत कार्य के दौरान छोड़ा गया था। भारत द्वारा घटना की निंदा किए जाने और शहर के प्रशासन से इस संबंध में त्वरित कार्रवाई करने का अनुरोध किए जाने के कुछ देर बाद अधिकारियों की यह प्रतिक्रिया सामने आई है। इस पार्क को पहले ट्रॉयर्स पार्क के नाम से जाना जाता था और बाद में इसका नामकरण श्री भगवद गीता पार्क किया गया जिसका उद्घाटन 28 सितंबर को किया गया था। कनाडा में भारत के उच्चायुक्त ने रविवार को ट्वीट किया, ''हमलोग ब्रैम्पटन में श्री भगवद गीता पार्क में घृणा अपराध की निंदा करते हैं। हम कनाडा के अधिकारियों और पुलिस से मामले की जांच करने और दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई का अनुरोध करते हैं।'' ब्रैम्पटन के महापौर पैट्रिक ब्राउन ने रविवार रात को ट्विटर पर मामले में सफाई दी। ब्रैम्पटन कनाडा के ओंटारियो प्रांत में एक शहर है। ब्राउन ने ट्वीट किया, ''हाल में उद्घाटन किए गए भगवद गीता पार्क में तोड़फोड़ से संबंधित कल की रिपोर्ट के बाद हमने मामले में जांच के लिए त्वरित कार्रवाई की। हमें पता चला कि बिल्डर ने वह कथित जगह छोड़ी थी ताकि वहां श्री भगवद गीता पार्क के स्थायी निशान को लगाया जा सके।'' ब्राउन ने यह मुद्दा उठाने के लिए भारतीय समुदाय का धन्यवाद किया और कहा, ''हमें खुशी है कि यह मुद्दा सामने आया। यह मुद्दा हमारे ध्यान में लाने और ब्रैम्पटन को एक सुरक्षित एवं समावेशी जगह बनाने के लिए हम समुदाय (भारतीय) का धन्यवाद करते हैं।'' उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, ''खाली जगह मरम्मत के दौरान छोड़ी गई थी। यह कोई आम प्रक्रिया नहीं है क्योंकि हम तब तक कोई निशान नहीं हटाते हैं जब तक कि वह क्षतिग्रस्त नहीं हो जाए या उसका नाम नहीं बदला जाए।''

ईरान के सर्वोच्च नेता ने हिजाब के खिलाफ जारी प्रदर्शनों पर चुप्पी तोड़ी, अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया

दुबई।(एजेंसी)।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने हिजाब के खिलाफ देशभर में जारी विरोध-प्रदर्शनों पर सोमवार को चुप्पी तोड़ी और हिंसक दंगों की निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनों की साजिश में अमेरिका और इजराइल का हाथ है। खामनेई ने ईरान की धर्माचार पुलिस की हिरासत में 22 वर्षीय महसा अमीनी की मौत को ''दुखद घटना'' करार दिया। गौरतलब है कि कथित तौर पर हिजाब ठीक से नहीं पहनने के चलते धर्माचार पुलिस ने अमीनी को हिरासत में लिया था और बाद में उनकी मौत के बाद देशभर में विरोध-प्रदर्शन होने लगे।

खामनेई ने विरोध-प्रदर्शनों को ''विदेशी साजिश'' करार देते हुए इसकी निंदा की और दावा किया कि इसका इरादा ईरान को अस्थिर करना है। तेहरान में पुलिस प्रशिक्षुओं के कैडर को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''यह सुनियोजित दंगे थे। मैं स्पष्ट रूप से कहना

चाहता हूं कि इन दंगों के पीछे अमेरिका और यहूदी शासन का हाथ था।'' महसा अमीनी की हिरासत में मौत की घटना के तीन सप्ताह बाद भी देश भर में हिजाब विरोधी प्रदर्शन जारी हैं। ईरान सरकार इन प्रदर्शनों को लेकर बेहद कड़ा रुख अपना रही है।

पाकिस्तान में बलूचों के अटैक से घबराया चीन, विद्रोह को दबाने के लिए चली नई चाल

बीजिंग।(एजेंसी)।

पाकिस्तान को आर्थिक गुलाम बनाने की ओर तेजी से बढ़ रहे चीन ने अपने खिलाफ बलूचिस्तान में चल रहे विद्रोह की आवाज दबाने के लिए अब उइगर मुस्लिमों वाली चाल चलनी शुरू की है। चीन यूएई समेत खाड़ी के मुस्लिम देशों पर दबाव डाल रहा है कि वे बलूच कार्यकर्ताओं को पाकिस्तान को सौंप दें। बलूच विद्रोही चीन के सीपीईसी परियोजना का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने पिछले कुछ माह में कई चीनी नागरिकों की हत्या कर दी है।

बलूचों के हमले रोकने के लिए पाकिस्तानी सेना बलूचों का दमन करने में लगी है। उन्हें जबरन जेल में डाला जा रहा है।

चीन इस तरह की हरकत उइगर मुस्लिमों के साथ कर रहा है। चीन दुनियाभर के देशों पर दबाव डाल रहा है कि वे अपने यहां रह रहे उइगर विद्रोहियों को उसे सौंप दें। ह्यूमन राइट्स काउंसिल ऑफ बलूचिस्तान के अब्दुल्ला अब्बास के मुताबिक सन 2018 में चीन के कराची स्थित काउंसलेट पर हमले के बाद संयुक्त अरब अमीरात ने बलूच कार्यकर्ता राशिद हुसैन को पाकिस्तान को सौंप दिया था। यही नहीं पाकिस्तान भेजने से पहले राशिद को सबसे अलग थलग करके संपर्क रहित कर दिया था। अब्बास ने बताया कि यह चीन का दबाव हो सकता है जिसकी वजह से यूएई ने यह कदम उठाया।

यही नहीं अब्दुल्ला ने बताया कि यूएई की खुफिया एजेंसी ने हुसैन के एक अन्य रिश्?तेदार को भी अरेस्ट कर लिया और उन्हें भी जबरन पाकिस्तान भेज दिया। अब्बास ने कहा, हमारे पास पर्याप्त साक्ष्य हैं कि चीन लगातार खाड़ी के देशों पर दबाव डाल रहा है। इसमें यूएई भी शामिल है। चीन उन बलूच कार्यकर्ताओं को पाकिस्तान को सौंपने के लिए कह रहा है जो चीनी निवेश का विरोध कर रहे हैं।

बलूच विद्रोहियों का कहना है कि चीन प्राकृतिक संसाधनों से भरे बलूचिस्तान और सिंध प्रांत में शोषण कर रहा है। बलूचों के हमलों से चीन टेंशन में है और पिछले दिनों उसने अपनी चीनी 'सेना' को तैनात करने के लिए पाकिस्तान पर दबाव डाला था। पाकिस्तान ने चीनी नागरिकों की सुरक्षा को बढ़ाया है।

जापान के प्रधानमंत्री ने चर्च विवाद के बीच फिर से भरोसा हासिल करने की प्रतिबद्धता जताई

तो यो। (एजेंसी)।

जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने सोमवार को कहा कि उनकी सत्ताधारी पार्टी के कट्टर रूढ़िवादी यूनिफिकेशन चर्च से दोस्ताना संबंधों की आलोचना कर रहे लोगों की 'कड़वी बातों' को भी वह विनम्रता से सुनेंगे। उन्होंने कहा कि कथित धोखाधाड़ी और बड़ी मात्रा में चंदा एकत्र किये जाने से पीड़ित हुए लोगों की वह मदद करेंगे। किशिदा उस बड़े घाटाले को लेकर आलोचनाओं से घिर गये हैं जिसने दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी और यूनिफिकेशन चर्च के बीच दशकों पुराने नजदीकी संबंध का खुलासा कर दिया।

शिंजो आबे की गत जुलाई में हत्या कर दी गई थी। यूनिफिकेशन चर्च पर आरोप है कि उसने अपने से जुड़े लोगों को बरगला कर बड़ी मात्रा में चंदा एकत्र किया। किशिदा ने अबे का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करके देश की जनता की राय को विभाजित किर दिया। लेकिन विपक्षी दल ने यह कहकर हमला किया है कि इसे राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने के लिए शुरुआती परंपरा के रूप में डिजाइन किया गया है, जिसका कोई स्वीकार्य कानूनी आधार नहीं है और ना ही संसदीय चर्चा हुई है। सत्ताधारी दल और चर्च के बीच गठजोड़ के पीछे आबे को अब सबसे अहम व्यक्ति के रूप में देखा जा रहा है। किशिदा को अपनी सरकार की प्रमुख नीतियों को लेकर जनता के भरोसे को फिर से हासिल करने की बहुत जरूरत है जिनमें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति शामिल है जिसमें सुरक्षात्मक युद्धक क्षमता हासिल करने की बात शामिल है। लेकिन आलोचकों का कहना है कि यह सौहार्दपूर्ण संविधान का उल्लंघन हो सकता है। किशिदा सरकार की योजना वर्ष 2011 के फुकुशिमा परमाणु आपदा के बावजूद परमाणु ऊर्जा को फिर से बढ़वा देने की है ताकि कार्बन कटौती और ऊर्जा आपूर्ति की जरूरतों को पूरा किया जा सके। संसद के 69 दिवसीय सत्र की शुरआत पर अपने भाषण में किशिदा ने कहा, ''मैं यूनिफिकेशन चर्च से अपने संबंधों को लेकर लोगों की टिप्पणी का सीधे तौर पर समना करता हूं।''

किशिदा ने वादा किया कि वह चर्च के संदिग्ध कारोबार और चंदा एकत्र करने से पीड़ित होने वालों की मदद के लिए पूरा प्रयास करेंगे और विधिक सलाह देने के लिए सरकार की ओर से हेल्प डेस्क स्थापित की जाएगी। आबे की हत्या में शामिल संदिग्ध ने कथित रूप से पुलिस से कहा था कि उसने पूर्व प्रधानमंत्री को इसलिए निशाना बनाया था कि उनके चर्च के साथ संबंध थे, जिसने उनकी मां का काफी अधिक पैसा ले लिया था जिससे उसका परिवार दिवालिया हो गया और उसका जीवन बर्बाद हो गया।

इमरान खान अवमानना कार्यवाही से बचे, अदालत ने कारण बताओ नोटिस लिया वापस

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अवमानना की कार्यवाही से बच गए। दरअसल, यहां की एक अदालत ने एक महिला न्यायाधीश को धमकी देने से जुड़े एक मामले में उन्हें जारी किया गया कारण बताओ नोटिस वापस ले लिया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के प्रमुख खान (69) सोमवार को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुए, जहां मामले की सुनवाई पांच सदस्यीय वृहद पीठ ने की। पीठ के अध्यक्ष इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अतहर मिनाल्ला थे।

पीठ के अन्य सदस्यों में न्यायमूर्ति मोहसिन अख्तर कयानी, मियांगुल हसन औरंगजेब, तारिक महमूद जहांगीरी और बाबर सत्तार शामिल थे। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की खबर के अनुसार, सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश मिनाल्ला ने कहा कि पीठ खान की माफी और आचरण से संतुष्ट है। खान ने अपने सहयोगी शहबाज गिल के साथ किये गये बर्ताव को लेकर 20 अगस्त को इस्लामाबाद में एक रैली के दौरान शीर्ष पुलिस अधिकारियों, चुनाव आयोग और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ मामले दर्ज कराने की धमकी दी थी। गिल को राजद्रोह के आरोपों में गिरफ्तार किया था। उन्होंने गिल की दो दिनों की हिरासत की मंजूरी देने वाली अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जेबा चौधरी के बारे में कहा था कि उन्हें (न्यायाधीश को) खुद को तैयार करना चाहिए, क्योंकि उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उनके भाषण के कुछ ही घंटे बाद, खान के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। रैली में पुलिस, न्यायपालिका और अन्य सरकारी संस्थानों को धमकी देने को लेकर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

सार समाचार

दिल्ली पुलिस ने सीडीएस अनिल चौहान को ‘जेड प्लस’ श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराई

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गृह मंत्रालय के आदेश पर प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान को जेड प्लस सुरक्षा मुहैया कराई है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। जनरल चौहान ने शुक्रवार को भारत के दूसरे सीडीएस के तौर पर पदभार ग्रहण किया था। उनके सामने सशस्त्र सेनाओं के तीनों अंगों के बीच समन्वय और महत्वाकांक्षी ‘थियेटर’ कमान के निर्माण का लक्ष्य है, ताकि देश की सेनाओं को भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार किया जा सके। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ‘‘गृह मंत्रालय के आदेश पर प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान को जेड प्लस सुरक्षा मुहैया कराई गई है।’’ जनरल चौहान सेना की पूर्वी कमान के प्रमुख रह चुके हैं। तमिलनाडु में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में भारत के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत के निधन के नौ महीने से ज्यादा समय बाद जनरल चौहान ने वरिष्ठतम सैन्य कमांडर का दायित्व ग्रहण किया है।

गांधी जयंती पर राजघाट नहीं पहुंचे थे केजरीवाल, अब उपराज्यपाल ने पत्र लिखकर मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल गांधी जयंती के दिन महात्मा गांधी के समाधि स्थल राजघाट पर नहीं पहुंचे थे। इसके अलावा वह विजय घाट भी नहीं पहुंचे थे जहां लाल बहादुर शास्त्री का समाधि स्थल है। अब इसी को लेकर दिल्ली के उपराज्यपाल विजय कुमार सक्सेना ने अरविंद केजरीवाल को एक पत्र लिखा है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल से इसमें नहीं आने का कारण पूछा है। खबर के मुताबिक अरविंद केजरीवाल ने वहां नहीं पहुंच कर प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया है। उपराज्यपाल की ओर से लिखे गए खत के बाद एक बार फिर से दिल्ली में राजनीति तेज हो सकती है। पिछले दिनों की हमने देखा था कि किस तरीके से उपराज्यपाल और केजरीवाल सरकार के बीच जबरदस्त तनातनी थी। बताया जा रहा है कि राजघाट और विजय घाट पर दिल्ली सरकार का कोई भी मंत्री भी नहीं पहुंचा थ। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया आए जरूर थे लेकिन वह कुछ देर में ही चले गए। ऐसे में 5 पन्नों का यह पत्र उप राज्यपाल की ओर से लिखा गया है। एलजी ने अपने पत्र में यह भी लिख दिया है कि सिर्फ अख़बारों में विज्ञापन करवाने से काम नहीं होता है। उन्होंने आरोप लगाया है कि प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया गया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल लगातार गुजरात के दौरे पर रह रहे हैं। रविवार को भी वह गुजरात में ही थे। गुजरात में वह पार्टी के पक्ष में प्रचार कर रहे थे। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और शेयर उपराज्यपाल के बीच लगातार तकरार की स्थिति पिछले कई दिनों से बनी हुई है। जबसे स्थित शराब घोटाले को लेकर उपराज्यपाल ने सीबीआई जांच के आदेश दिए थे, आम आदमी पार्टी के नेता उपराज्यपाल पर हमलावर हो गए थे। उपराज्यपाल के ऊपर निजी आरोप भी लगाए गए थे। मामला कोर्ट तक पहुंचा था। कोर्ट की ओर से आप नेताओं से कहा गया था कि आप उपराज्यपाल के खिलाफ लिखे गए अपने ट्वीट को जल्द डिलीट करें।

गृहमंत्री अमित शाह के दौरे से पहले टारगेट किलिंग की कोशिश, कश्मीर में बैंक प्रबंधक पर किया गया हमला

श्रीनगर ।कश्मीर घाटी में धारा 370 हटने के बाद से ही टारगेटिंग किलिंग शुरू हो गयी। साल 2021-2022 में कश्मीरी पंडितों को निशाना बना-बना कर आतंकियों ने मारा है। घाटी में एक बार फिर से डरावने हालात बन गये। कश्मीरी पंडित सरकार के खिलाफ सड़को पर आ गये और सरकार से अपनी सुरक्षा की मांग करने लगे। ये सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कश्मीर में एक बार फिर से आतंक अपने पैर पसारने की कोशिश कर रहा हैं। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सोमवार को आतंकियों ने एक गैर-स्थानीय बैंक प्रबंधक पर गोलीबारी की। हालांकि, इस हमले में वह बाल-बाल बच गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी कि जम्मू-कश्मीर ग्रामीण बैंक प्रबंधक उत्तरी कश्मीर के बारामूला में पट्टन के गौशबुग में आतंकवादी हमले से बच गया। आतंकवादियों ने उस पर गोलियां चलाईं, फिर भी वह चमत्कारिक ढंग से हमले से बच निकला। फोर्स इलाके में पहुंच गई है। अधिकारियों ने बताया कि घटना से जुड़े अधिक विवरण का इंतजार है। गृह मंत्री अमित शाह एक दिन बाद बारामूला में एक रैली को संबोधित करेंगे।

ईरान से चीन जा रही फ्लाइट में बम की सूचना के बाद दिल्ली-जयपुर में नहीं दी लैंडिंग की इजाजत

नई दिल्ली ।ईरान की राजधानी तेहरान से चीन जाने वाली एक हवाई जहाज की फ्लाइट में बम रखे होने की सूचना के बाद हड़कंप मच गया। तेहरान से चीन जा रहे विमान में बम की खबर के बाद उसने दिल?ली में आपात लैंडिंग की इजाजत मांगी। जिसे नामंजूर किए जाने के बाद फ्लाइट चीन की तरफ बढ़ गई और भारतीय हवाई सीमा को छोड़ दिया। सूत्रों के हवाले से कहा गया कि ईरान के तेहरान से चीन में ग्वांगझू के रास्ते में महान एयर ने दिल्ली हवाई अड्डे के एटीसी से संपर्क किया था। एयरलाइन को दिल्ली में तत्काल लैंडिंग करने के लिए बम की धमकी मिली थी। दिल्ली एटीसी ने विमान को जयपुर जाने का सुझाव दिया लेकिन विमान के पायलट ने मना कर दिया और भारतीय हवाई क्षेत्र छोड़ दिया। खबर में कहा गया है कि भारतीय हवाई क्षेत्र में ईरानी यात्री जेट में ‘बम होने की धमकी’ मिली है। ये विमान चीन जा रहा है। इसके बाद इंडियन एयरफोर्स को अलर्ट किया गया और कई आईएएफ जेट्स ने उड़ान भरी है। विमान में बम की सूचना होने के बाद जोधपुर और पंजाब से एयरफोर्स के सुखोई-30 लड़ाकू जेट्स ने विमान की निगरानी करने के लिए उड़ान भरी। कहा जा रहा है कि ईरान का यात्री जेट अब चीन की ओर बढ़ रहा है। सुरक्षा एजेंसियां विमान की निगरानी कर रही हैं। जबकि पहले आ रही खबरों में कहा गया था कि फ्लाइट को डायवर्ट कर दिया गया है। बताया जा रहा था जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग के लिए फ्लाइट को डायवर्ट किया गया था। एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को यह सूचना फ्लाइट से मिली। जिसके बाद तमाम एजेंसियों को यह जानकारी दी गई। फिलहाल ये फ्लाइट अभी कहां है, इसको लेकर कोई जानकारी नहीं मिली है। इसके बारे में दिल्ली फायर विभाग को भी सूचना मिली है। दिल्ली पुलिस और बाकी एजेंसियां भी मामले की जांच में जुट गईं हैं। इस जानकारी के मिलने के बाद सभी सुरक्षा एजेंसियों को आगाह किया गया है। उधर जयपुर से आ रही खबर में कहा गया है कि तेहरान से चीन जा रही फ्लाइट में बम की सूचना के बाद विदेशी फ्लाइट ने इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी थी। लेकिन उसे जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति नहीं दी गई है। इसके साथ ही दिल्ली एटीएस से भी इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी गई है। बताया जा रहा है कि बम के खतरे की अधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। इसके साथ ही फ्लाइट का रूट दिल्ली की तरफ डायवर्ट करने की सूचना भी मिली थी।

अंकिता हत्याकांड के आरोपियों की 3 दिन की पुलिस रिमांड खत्म, पौड़ी जेल भेजे गए

ऋषिकेश ।अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिए गए तीनों आरोपियों को एसआईटी ने कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें पौड़ी जिला कारागार भेज दिया गया है। इससे पहले एसआईटी ने इस हत्याकांड के तीनों आरोपियों को तीन दिन की रिमांड पर लिया था, जो सोमवार को खत्म हो गई। अंकिता हत्याकांड को लेकर एसआईटी ने आरोपियों से कई अहम सबूत जुटाए हैं। 23 सितंबर को रेगुलर पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद कोर्ट में पेश करने के बाद तीनों आरोपियों पुलकित, अंकित और सौरभ को न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार खांड्यूसैंण भेज दिया गया। अंकिता हत्याकांड की जांच को लेकर सरकार ने डीआईजी रेणुका देवी की अध्यक्षता में एसआईटी टीम का गठन किया है।

अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच कर रही एसआइटी जांच अधिकारी पी रेणुका देवी ने सोमवार को कहा कि तीनो अभियुक्तों को हमने तीन दिन की रिमांड पर लिया था। तीनो आरोपियों से गंभीरता से पूछताछ की गई है। जिससे हमें काफी सबूत मिले हैं। उन्होंने बताया कि तीनों आरोपियों को घटनास्थल पर ले जाया गया। जहां पर घटनाक्रम की पूरी जानकारी ली गई। एसआइटी को घटना स्थल से काफी साक्ष्य मिले हैं। वहीं डीआईजी एसआईटी पी रेणुका देवी ने बताया कि एसआइटी टीम द्वारा घटनाक्रम से जुड़े सभी से पूछताछ की जा रही है। साथ ही वनन्तरा रिसॉर्ट और पुलकित आर्य की कैंडी फैक्ट्री में कार्यरत कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है।

पीयूष गोयल बोले-

भारत की आबादी बोझ नहीं, बल्कि उसकी ताकत है

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत की 130 करोड़ की आबादी बोझ नहीं है, बल्कि ताकत है और इस वजह से देश एक बड़ा बाजार बन गया है। गोयल ने यह टिप्पणी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के कोषाध्यक्ष विष्णु मित्तल द्वारा लिखित किताब ‘‘ऐसे थे भारत के गांव’’ के विमोचन के अवसर पर रविवार देर शाम की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि गांवों में प्रौद्योगिकी और मोबाइल फोन का प्रसार बढ़ा है तथा ग्रामीणों को भी सूचनाएं मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की सरकार ने पंचायतों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी भी बनाया है।

गोयल ने कहा कि मोदी सरकार ने जनधन खातों, आधार और मोबाइल से गांव में रहने वाले गरीबों का सशक्तीकरण किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने स्वच्छ भारत, उज्ज्वला, जनधन और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण समेत अन्य योजनाओं को ग्रामीण आबादी को ध्यान में रखकर बनाया है। उन्होंने कहा कि 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद गांवों में बदलाव देखने को मिला है और ग्रामीण क्षेत्रों में विकास पहुंचा है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि देश की आबादी के पास मौजूद हुनर भारत को दुनिया भर में प्रसिद्ध करा रहा है और यह पूरी दुनिया को अपनी ओर आकर्षित भी कर रहा है। उन्होंने कहा, ‘हमारे देश की 130 करोड़ की आबादी हमारे लिए बोझ नहीं है। यह हमारी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है। जब मैं वाणिज्य मंत्री के तौर पर कोई मुक्त व्यापार समझौता करता हूं या विदेश में निवेश के लिए बात करता हूं तो वे (यहां निवेश करके) भारत के ऊपर कोई एहसान नहीं कर रहे हैं। वे देखते हैं कि 130 करोड़ भारतवासी कैसे एक बड़ा बाजार बन गए हैं।’

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के अध्यक्ष राम बहादुर राय ने इस अवसर पर कहा कि 1857 के बाद अंग्रजों ने हिंदुओं और मुसलमानों को लड़ाने के लिए भारत के गांवों को तबाह कर दिया। पुस्तक के लेखक मित्तल ने कहा कि उन्होंने किताब उन लोगों को अपने गांवों के लिए काम करने के लिए लिखी है, जो पहले गांवों में रहते थे और अब शहरों में रहने लगे हैं और अच्छा व्यवसाय कर रहे हैं तथा अच्छे पदों पर भी हैं। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल, सांसद रमेश विधूड़ी, विधायक बिजेंद्र गुप्ता सहित कई अतिथि मौजूद थे।

भारत जोड़ो यात्रा में राहुल को मिलेगा मां सोनिया गांधी का साथ, 6 अक्टूबर को होंगी शामिल, मैसूर पहुंचीं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी कर्नाटक के मैसूर पहुंच गई हैं। जानकारी के मुताबिक 6 अक्टूबर को वह भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होंगे। इस बात की जानकारी जयराम रमेश की ओर से दी गई है। जयराम रमेश ने दावा किया कि सोनिया गांधी बृहस्पतिवार को यात्रा में शामिल होंगी। इसके साथ ही जयराम रमेश ने यह भी बताया है कि 4 और 5 अक्टूबर को यात्रा को रोका गया है क्योंकि उस दिन दशहरा है। 6 अक्टूबर को इस यात्रा को फिर से प्रारंभ किया जाएगा। अगर सोनिया गांधी 6 अक्टूबर को भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होती हैं तो काफी लंबे समय के बाद ऐसा पहला मौका होगा जब वह सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेंगी। स्वास्थ्य कारणों की वजह से वह सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर रहती हैं।

आपको बता दें कि राहुल गांधी लगातार भारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं। हालांकि राहुल गांधी का दावा है कि वह इस में शामिल हो रहे हैं। कांग्रेस का भारत जोड़ो यात्रा 7 सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुआ था। अब कर्नाटक में है। 150 दिन चलने वाले इस यात्रा का समापन कश्मीर में होगा। इसमें कुल 3570 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। जयराम रमेश ने कहा कि पिछले 3 दिनों में भाजपा शासित राज्य कर्नाटक में भारत जोड़ो यात्रा को काफी समर्थन मिला है। इससे पता चलता है कि यह यात्रा ऐतिहासिक है और लोग इससे जुड़ना चाहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी 6 अक्टूबर को मांड्या से यात्रा में शामिल होंगी।

गरीबी, बेरोजगारी व अमीर-गरीब के बीच आय की असमानता राक्षस जैसी चुनौतियां : होसबोले

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दतात्रेय होसबले ने देश में गरीबी, बेरोजगारी और अमीर-गरीब के बीच लगातार बढ़ती जा रही आय की असमानता को राक्षस जैसी चुनौती बताया है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति अत्यन्त चिंताजनक है। दतात्रेय होसबले ने कहा कि पिछले 75 सालों में भारत ने कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन देश में गरीबों की संख्या, बेरोजगारी की दर और आय की असमानता अभी भी राक्षसों की तरह चुनौती बनी हुई है और इसे खत्म करना बहुत जरूरी है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित वेबिनार कार्यक्रम %स्वावलंबन का शंखनाद में बोलते हुए दतात्रेय होसबले ने कहा कि देश में आज भी 20 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं। देश के 23 करोड़ लोगों की प्रतिव्यक्ति आय 375 रुपये से भी कम है। देश में बेरोजगारी की दर 7.6 प्रतिशत है और चार करोड़ लोग बेरोजगार है। देश के ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में बेरोजगारी की स्थिति को चिंताजनक बताते हुए संघ के वरिष्ठ नेता ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में 2.2 करोड़ लोग बेरोजगार हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में 1।8 करोड़ लोग बेरोजगार हैं।

भारत की तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति का जिक्र करते हुए होसबले ने कहा कि भारत विश्व की छह बड़ी अर्थव्यवस्था वाले बड़े देशों में से एक है, लेकिन देश में लगातार बढ़ रही आर्थिक असमानता आज भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। उन्होंने कहा कि देश के एक प्रतिशत अमीर लोगों की आय देश के सभी लोगों की आय का 20 प्रतिशत है जबकि देश की आधी आबादी (50 प्रतिशत) के हिस्से में कुल आय का सिर्फ 13 प्रतिशत हिस्सा ही आता है।

संघ नेता ने देश की हालत के लिए पिछली सरकारों की गलत आर्थिक और शिक्षा नीति को जिम्मेदार बताते हुए कहा कि केंद्र की वर्तमान नरेंद्र मोदी सरकार ने हालात को सुधारने के लिए अच्छा काम किया है। दस साल पहले 22 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे थे जो अब सिर्फ 18 प्रतिशत ही रह गए हैं। पिछले दस वर्षों में लोगों की प्रति व्यक्ति आय में भी बढ़ोतरी हुई है और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी आने वाले वर्षों में गरीबी दूर करने में सहायक हो सकती है। हालांकि इसके साथ ही उन्होंने अभी भी काफी कुछ करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि आत्मनिर्भर और स्वावलंबी भारत के लिए कई मोर्चों पर एक साथ काम करना होगा। सरकार के साथ-साथ समाज को और देश के उद्योगपत्तियों को भी आगे आना होगा। युवा पीढ़ी को भी नौकरी ढूंढने की बजाय स्वरोजगार का रास्ता अपना कर नौकरी देनेवाला बनना होगा।

बहस की वकालत करने वाले थरूर बोले- खड़गे की बात से सहमत, हमें एक-दूसरे से नहीं, भाजपा से लड़ना है

नई दिल्ली । कांग्रेस के शीर्ष अध्यक्ष पद के लिए होने वाले चुनाव के मैदान में उतरे उम्मीदवार शशि थरूर ने अपने प्रतिद्वंद्वी मल्लिकार्जुन खड़गे से बहस की वकालत करने के बाद सोमवार को कहा कि वह खड़गे की इस बात से सहमत हैं कि दोनों को एक-दूसरे से नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से लड़ना है। उन्होंने ट्वीट किया, मैं खड़गे जी से सहमत हूं कि कांग्रेस में हम सभी लोगों को एक दूसरे की बजाय भाजपा से मुकाबला करना है। हमारे बीच कोई वैचारिक मतभेद नहीं है। लोकसभा सदस्य थरूर ने कहा, 17 अक्टूबर को मतदान करने वाले हमारे साथियों को सिर्फ यह तय करना है कि इसे (भाजपा के खिलाफ लड़ाई) कैसे सर्वाधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। थरूर ने रविवार को कहा था कि वह मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ सार्वजनिक बहस के लिए तैयार हैं, क्योंकि इससे लोगों की पार्टी में उसी तरह से दिलचस्पी पैदा होगी, जैसे कि हाल में ब्रिटेन में कंजरवेटिव पार्टी के नेतृत्व पद के चुनाव को लेकर हुई थी। उनकी इस टिप्पणी पर खड़गे ने कहा था कि उन्हें और थरूर को भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ मिलकर लड़ना है। खड़गे का यह भी कहना था कि उन्हें और थरूर को महंगाई तथा बेरोजगारी जैसे मुद्दों के साथ ही भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा के खिलाफ मिलकर काम करना है।

विदेश मंत्री जयशंकर 5 से 11 अक्टूबर तक विदेश यात्रा पर, न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया का करेंगे दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर अपनी एक हफ्ते की (5 से 11 अक्टूबर) तक पर न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया की यात्रा पर जायेंगे जहां वे दोनों देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों के सम्पूर्ण आयामों की समीक्षा करेंगे तथा इसे और मजबूत बनाने पर चर्चा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के बयान के अनुसार, ‘विदेश मंत्री जयशंकर की यह न्यूजीलैंड की पहली यात्रा होगी।’ इसमें कहा गया है कि अपनी यात्रा के दौरान जयशंकर छह अक्टूबर को न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डेन के साथ एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे जो उस देश में अभूतपूर्व योगदान देने एवं उपलब्धियां हासिल करने वाले भारतीय समुदाय के लोगों को सम्मानित करने से संबंधित है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेता न्यूजीलैंड में भारत के आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम को प्रदर्शित करने वाले ‘इंडियाएटदरेट 75’ डाक टिकट को जारी करेंगे। विदेश मंत्री जयशंकर ‘मोदीएटदरेट 20 ़ ड्रीम्स मीट डिलिवरी’ पुस्तक का विमोचन भी करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिख समुदाय से विशेष जुड़ाव को प्रदर्शित एक पुस्तक का विमोचन भी करेंगे। बयान के अनुसार, विदेश मंत्री जयशंकर न्यूजीलैंड की अपनी समकक्ष नानया महुता के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे जिसमें दोनों देशों के संबंधों के सम्पूर्ण आयामों की समीक्षा और चर्चा होगी। जयशंकर वहां की सामुदायिक एवं स्वैच्छिक क्षेत्र, विविधता, समावेशिता एवं जातीय समुदाय तथा युवा मंत्री प्रियंका राधाकृष्णन सहित कई अन्य मंत्रियों, सांसदों, कारोबारी समुदाय एवं भारतीय समुदाय के लोगों, छात्रों के साथ भी चर्चा करेंगे।

लखीमपुर खीरी हिंसा के पीड़ितों के परिवारों को अभी तक न्याय नहीं मिला, राकेश टिकैत का सरकार पर निशाना

लखीमपुर खीरी (उप्र)। (एजेंसी)।

भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि लखीमपुर खीरी हिंसा के पीड़ितों के परिवारों को अभी तक न्याय नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि घटना की पहली बरसी पर सोमवार को देश भर के किसान इकट्ठा होंगे। टिकैत ने कहा कि देश पिछले साल तीन अक्टूबर को तिकुनिया गांव में हुई हिंसा को कभी नहीं भूल सकता, जिसमें आठ लोगों की जान चली गई थी। उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दौरे के खिलाफ किसान तीन अक्टूबर, 2021 को तिकुनिया गांव में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे और इसी दौरान कार से कुचलकर चार लोगों की मौत हो गई थी।

इसके बाद की हिंसा में दो भाजपा कार्यकर्ताओं और एक पत्रकार सहित चार अन्य लोग मारे गए थे। हिंसा में मारे गए प्रदर्शनकारी केंद्र के उन तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे, जिन्हें बाद में सरकार ने वापस ले लिया था। टिकैत हिंसा की पहली बरसी पर सोमवार को तिकुनिया क्षेत्र के कौड़ियाला घाट गुरुद्वारा में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने पहुंचे हैं। उन्होंने रविवार शाम को संवाददाताओं से कहा, ‘‘पीड़ितों के परिवारों को अभी तक न्याय नहीं मिला है।’’ हिंसा का जिक्र करते हुए राकेश टिकैत ने कहा, ‘‘यह (गांधी जयंती) ‘शांति’ का सप्ताह था। लेकिन पिछले साल इस दौरान हिंसा हुई में आठ लोगों की जान चली गई जो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था।’’ उन्होंने कहा, ‘‘देश भर के किसान इस घटना को कभी नहीं भूलेंगे और तीन अक्टूबर को इसकी पहली बरसी मनाने के लिए देश भर में इकट्ठा होंगे।’’ न्याय मिलने में देरी के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए भाकियू नेता ने कहा, ‘‘सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान न तो कानूनी व्यवस्था में विश्वास करता है और न ही संविधान में और अपनी शक्ति का दुरुपयोग करता है।’’ आगे की रणनीति के बारे में पूछे जाने पर टिकैत ने कहा कि लोग केवल (अन्याय के खिलाफ) आवाज उठा सकते हैं और बाकी सब सरकार के हाथ में है। अगस्त में लखीमपुर में संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के तीन दिवसीय विरोध-प्रदर्शन का हवाला देते हुए टिकैत ने कहा, ‘‘50,000 से अधिक किसान यहां इकट्ठे हुए और अपनी मांगों को रखा। उन्हें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री या कुछ अन्य जिम्मेदार अधिकारियों के साथ बातचीत का आश्वासन दिया गया था, हालांकि, इस दिशा में कुछ भी नहीं हुआ।’’ यहां सोमवार के कार्यक्रम के बारे में भाकियू जिलाध्यक्ष दिलबाग सिंह संधू ने बताया कि टिकैत कौड़ियाला घाट गुरुद्वारा जाते समय निघासन क्षेत्र के एक गांव की दो नाबालिग दलित बहनों के परिवार से मिलेंगे, जिनकी 14 सितंबर को कथित सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई और बाद में उनके शव एक पेड़ से लटकते पाये गए थे।

दशहरा रैली में गोला-बारूद फैकने की योजना बना रहे थे लश्कर के हैदराबाद में बैठे आतंकी! निशाने पर थे कई आरएसएस नेता

हैदराबाद। (एजेंसी)।

तेलंगाना पुलिस ने हैदराबाद में रहने वाले तीन लश्कर-ए-तैयबा के संदिग्ध गुर्गों को गिरफ्तार कर किया। जिनके बारे में अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने कथित तौर पर शहर में दशहरा रैली के दौरान हमला करने की योजना बनाई थी। माना जा रहा है कि आईएसआईएस से प्रेरित इन लोगों की हथगोले बनाकर उन्हें रैली के दौरान फेंकने की योजना था। तीनों की पहचान मोहम्मद अब्दुल जाहेद उर्फ मोटू, मलकपेट के मोहम्मद समीउद्दीन और हुमायूं नगर के माज़ हसन फारूक, पुराने हैदराबाद में मुठभेड़ के दौरान में पकड़े गए थे।

आरोपियों के पास से चार ग्रेनेड, चार लाख रुपये नकद और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं। उन पर संघ और भाजपा पदाधिकारियों की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कबूल किया कि उन्होंने आतंक फैलाने और दहशत और सांप्रदायिक वैमनस्य पैदा करने के लिए एक खाका तैयार किया था। उन पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए हैं। प्राथमिकी में चार अन्य संदिग्धों के नाम हैं़ आदिल अफरोज, अब्दुल हादी, सोहेल कुरैशी और अब्दुल कलीम उर्फ हादी भी शामिल हैं। फिलहाल ये चारों फरार हैं।

मुख्य साजिशकर्ता जाहिद ने खुलासा किया कि वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई, सीमा पार लश्कर संचालकों और तीन भगोड़े हैदराबादी संदिग्ध आतंकवादियों- फरहतुल्ला गोरी, सिद्दीकी बिन उस्मान और अब्दुल मजीद के संपर्क में था। बताया जा रहा है कि ये तीनों पाकिस्तान में हैं और आईएसआई के लिए काम कर रहे हैं। एसआईटी के एक अधिकारी ने कहा ÷जाहिद और उसका समूह त्योहारों के मौसम में आतंक फैलाने के लिए भाजपा, आरएसएस की बैठकों और बम दशहरा जुलूसों पर हथगोले फेंकने की योजना बना रहा था।

उन्होंने यह भी खुलासा किया कि पाकिस्तान स्थित हैंडलर, गोरी, हंजाला और मजीद ने जाहिद को

भर्ती करने वालों की मदद करने और हैदराबाद में आतंकवादी हमले करने में मदद करने के लिए धन का इस्तेमाल किया था। जाहेद पहले हैदराबाद में आतंकवाद से संबंधित मामलों में शामिल था, जिसमें 2005 में बेगमपेट में शहर के पुलिस आयुक्त के टास्क फोर्स कार्यालय पर आत्मघाती हमला भी शामिल था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में रहने वाले तेलुगु समुदाय के लोगों ने खेला 'बटुकम्मा गरबा'

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पूरे गुजरात में गरबा की आवाज सुनाई दे रही है. खिलाड़ी माताजी की आराधना के साथ घूम रहे हैं।

वहीं नवरात्रि का मतलब मां पूजा का त्योहार है, भले ही इसे अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। हमें सूरत में इन सभी प्रांतों की एक झलक मिलती है, जिसे मिनी इंडिया कहा जाता है, जिसकी दुनिया भर में कपड़ा और हीरे जैसे उद्योगों के कारण अपनी एक विशेष छवि है। उस समय, तेलुगु समाज के लोग भी सूरत में नवरात्रि का आनंद लेते हैं। तेलुगु लोग इस त्योहार को 卐बथुकम्मा पांडुआ卐 के रूप में मनाते हैं। पूरे गुजरात में नवरात्रि का त्योहार बहुत ही धूमधाम और भक्ति के साथ मनाया जाने लगा है। सूरत शहर में भी हर क्षेत्र में गरबा खेला जाता है। सूरत में अलग-अलग जाति के अलग-अलग लोग रहते हैं। जिसमें तेलुगु लोगों की आबादी दो लाख से ज्यादा है. तेलुगु लोग जो ग्रामीण इलाकों से व्यापार के लिए शहर में बस गए हैं, वे नवरात्रि का त्योहार बड़ी भक्ति के साथ मनाते हैं। तेलुगु लोग इस त्योहार को च्च्बथुकम्मा पांडुआज्ज के रूप में मनाते हैं। तेलुगु समाज की नवरात्रि, जो बहुत बड़ी संख्या में पीढ़ियों से एक साथ रह रही है। वे इस त्योहार को बथुकम्मा कहते हैं।

इसका अपना एक अलग धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व भी है। इनकी पूजा करने के तरीके और गरबे खेलने का तरीका भी दिलचस्प है और उतना ही खूबसूरत भी। तेलुगु समाज समाज के नेता रापोलू बुच्चिरामोलु मास्टर ने कहा कि बथुकम्मा पांडुगा उत्सव के उत्सव के पीछे दो सुपर पौराणिक किंवदंतियाँ हैं। सैकाओं से पहले चोलुदु कारी एक महान राजा था। उपवास, भजन-कीर्तन और यज्ञ जैसी सभी धार्मिक गतिविधियाँ उसके शासन काल में की जाती थीं और आम लोगों का जीवन समृद्ध महसूस होता था। देवी-देवताओं के आशीर्वाद से उन्हें वहीं पुत्री रत्न का जन्म हुआ। बहुत प्यार से पली-बढ़ी इस बेटी के भविष्य की चिंता करते हुए उसने बड़ी श्रद्धा से देवी की पूजा की ताकि उस पर कभी कोई आघात न पहुंचे। देवी ने अपनी बेटी को आशीर्वाद दिया और राजा से अनुरोध किया कि वह इस बेटी का नाम बथुकम्मा रखे। आपको बता दें कि तेलुगु भाषा में बथुकम्मा नाम का अर्थ है प्राण जिसका अर्थ है जीवन देने वाली माँ। इस शब्द का एक और अर्थ यह है कि वे दुख हैं हरती माता। एक और मिथक यह है कि १९वीं शताब्दी के अंत में अकाल, विभिन्न रोग, अनगिनत लोग बीमारी के कारण मर रहे थे। इस क्रोध से बचने के लिए लोगों ने जिस देवी की पूजा की, वह बथुकम्मा है।बथुकम्मा उत्सव के दौरान गर्भमाया भक्तिदो चरणों में की जाती है। कुंवारी कन्याएं पहले से आठवें दिन तक गरबा में भाग लेती हैं। इसे बोदम्मा कहते हैं। फिर दूसरे चरण में आठवें दिन कुँवारियों के साथ-साथ महिलाएं भी गरबा बजाकर माताजी की पूजा में शामिल होती हैं। यह गरबा बहुत ही शांत और पारंपरिक तरीके से और बड़े मूल्य के साथ किया जाता है।

मौसी ने 12 वर्ष के भांजे की पीट-पीटकर की हत्या

सूरत गुजरात के सूरत में अठवा थाना क्षेत्र की एक महिला ने अपने 12 वर्ष के भांजे को बेरहमी के साथ पीट-पीट कर मौत के घाट उतार दिया। हफीजुल सिराजुल इस्लाम, 1 साल से खंडेरावपुरा में अपनी खाला शहजादी, सलीम अकबर शाह के साथ रहता था। उसकी मामी शहजादी को शक था कि वह घर में चोरी करता है। चोरी के शक में बुरी तरह से भांजे को पीटा जिसके कारण 12 वर्ष के भांजे की पिटाई से मौत हो गई। पुलिस ने शहजादी को अपनी हिरासत में ले लिया है।

एसएमसी स्वास्थ्य विभाग का एक सफाई निरीक्षक 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा गया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत नगर निगम (एसएमसी) के स्वास्थ्य विभाग में सफाई निरीक्षक के पद पर कार्यरत तृतीय श्रेणी का अधिकारी रिश्वत के जाल में फंस गया है। नवरात्र के आयोजन के लिए स्वास्थ्य विभाग से एनओसी लेने के लिए गरबा आयोजक से पांच हजार रुपये की रिश्वत मांगी गई थी. जिसे लेकर नवरात्र के आयोजक ने एसीबी से शिकायत की और एसीबी ने जाल बिछाकर सफाई निरीक्षक को दौड़ा लिया।

एसीबी के जाल में फंसे एसएमसी के स्वास्थ्य कर्मी को सूरत नगर निगम व स्वास्थ्य विभाग में तृतीय श्रेणी सफाई निरीक्षक के पद पर कार्यरत मनोज कुमार चोकसी को

एसीबी ने पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा है. मनोजकुमार चोकसी एसएमसी के सैयदपुरा सब्जी मंडी स्थित बीपी स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत थे। इसी बीच एक व्यक्तिने सूरत नगर स्वास्थ्य विभाग से अपने कार्यक्रम के लिए एनओसी लेने के लिए आवेदन किया। सफाई निरीक्षक मनोजकुमार चोकसी ने आवेदन में तेजी लाने के लिए पांच हजार रुपये की रिश्वत मांगी। इस संबंध में सूरत एसीबी टीम ने जाल बिछाकर मनोजकुमार को रंगेहाथ पकड़ लिया।

नवरात्रि गरबा आयोजन के लिए एनओसी मांगी गई रिश्वत

सूरत में नवरात्रि गरबा आयोजित करने के लिए आयोजकों को नगर स्वास्थ्य विभाग से एनओसी लेनी होगी। किस प्रक्रिया के लिए सूरत के एक गरबा आयोजक ने सूरत नगर स्वास्थ्य विभाग से एनओसी लेने के लिए आवेदन किया था। यह आवेदन नगर पालिका के स्वास्थ्य कर्मी मनोजकुमार चोकसी के पास पहुंचा। फिर उसने आयोजक को एनओसी देने के लिए 5000 रुपये की रिश्वत मांगी। हालांकि, आयोजक देना नहीं चाहता था, इसलिए उसने इस बारे में सूरत एसीबी से शिकायत की। जिसके आधार पर एसीबी ने जाल बिछाया। एसएमसी कर्मचारी द्वारा दिखाई गई राशि को लेकर आयोजक एनओसी लेने के लिए कार्यालय पहुंचा और पैसे देकर एसीबी द्वारा लगाए गए जाल में रंगेहाथ पकड़ा गया। पुलिस ने भ्रष्ट कर्मचारी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की है।

रंगरेलिया मनाते हुए भाजपा नेता का वीडियो वायरल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत जिले में एक और बीजेपी पदाधिकारी का अश्लील वीडियो वायरल हो गया है. बारडोली तालुक के खरवासा गांव के एक सहकारी और राजनीतिक नेता अजीत पटेल का एक घर के बाहर एक महिला के साथ दुर्व्यवहार करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। नेता की बाहों में महिला भी नग्न दिखाई दे रही है और दोनों एक दूसरे के साथ अश्लील हरकत करते नजर आ रहे हैं. इस वीडियो के वायरल होने के बाद से सियासी माहौल गर्म हो गया है. इस मुद्दे पर जब दिव्या भास्कर ने अजीत पटेल से बातचीत की तो उन्होंने जवाब दिया कि 'मुझे इस बारे में कुछ नहीं कहना है... जिसने वीडियो वायरल करना चाहा, उसने किया है.'